RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 01 जून 2026 | वर्षः 04, अंकः 74 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मन की बातः सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरण संरक्षण की सराहना की

प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में खेल क्षेत्र में युवाओं के शानदार प्रदर्शन सहित कई मुद्दों पर बात की

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम में खेल क्षेत्र में युवाओं के शानदार प्रदर्शन, प्राचीन सांस्कृतिक संपदा की वापसी, ग्रीष्मकालीन आम की विविधता, पारंपरिक देसी पेय पदार्थों, युवाओं में खगोल विज्ञान के प्रति बढ़ते उत्साह, सैनिक कल्याण में नागरिकों के योगदान, नदियों की सफाई और वन्यजीव संरक्षण जैसे अनेक प्रेरक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इन मुद्दों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक गौरव और सामूहिक प्रयासों की भावना को भी सराहा। प्रधानमंत्री मोदी ने लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड की शुरूआत खेल उपलब्धियों से की। प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड की राजधानी रांची में हाल ही में आयोजित नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस प्रतियोगिता में देशभर से करीब 800 एथलीटों ने भाग लिया और चार अलग-अलग स्पर्धाओं में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किए। प्रधानमंत्री ने गुरिंदरवीर सिंह, विशाल टीके, तेजस्विन शंकर, देव मीणा और कुलदीप कुमार जैसे खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की विशेष सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 100 मीटर दौड़ की स्पर्धा में महज दो दिनों के भीतर पुरुष वर्ग में यह राष्ट्रीय रिकॉर्ड तीन बार टूटा, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है। गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर ने यह रिकॉर्ड तोड़ा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस प्रदर्शन की चर्चा हो रही है और ऐसी सफलताएं न केवल खिलाड़ियों को बल्कि आने वाली पीढ़ी को भी खेल के प्रति प्रेरित कर रही हैं। उनकी मेहनत और समर्पण भारत के खेल भविष्य को उज्ज्वल बना रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने दोनों

पट्टिकाओं में आनइमंगलम गांव को बौद्ध विहार को दिए गए दान का उल्लेख

पीएम ने कहा कि इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में नीदरलैंड्स के प्रधानमंत्री भी मौजूद थे। इनमें 21 बड़ी और तीन छोटी ताम्र पट्टिकाएं शामिल हैं, जो मुख्य रूप से राजा राजेंद्र चोल प्रथम द्वारा अपने पिता राजराजा चोल के एक वचन को पूरा करने से संबंधित हैं।

इन पट्टिकाओं में आनइमंगलम गांव को बौद्ध विहार को दिए गए दान का उल्लेख है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इन ताम्र पट्टिकाओं से चोल वंश की विशाल समुद्री शक्ति, दक्षिण-पूर्व एशिया के विभिन्न देशों के साथ उनके मजबूत व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंध तथा साम्राज्य की समृद्ध विरासत की जानकारी मिलती है। इस घटना से देशभर में गर्व की लहर दौड़ गई है और खासकर तमिल समुदाय में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। देश-विदेश से लगातार संदेश आ रहे हैं, जो भारत की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति लोगों की गहरी लगाव को दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को प्रोत्साहित किया

प्रधानमंत्री ने आम को हर भारतीय घर की पहचान बताते हुए विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध आम किस्मों का विस्तृत जिक्र किया। उन्होंने महाराष्ट्र और कोंकण के हापुस व अलफांसो, गुजरात के केसर, उत्तर प्रदेश के दशहरी और काशी के लंगड़ा, बिहार के जदार्लू, चौसा और मालदा, दक्षिण भारत के बंगनपल्ली, तोतापुरी, नीलम, मलगोवा, बंगाल के हिमसागर तथा ओडिशा-आंध्र प्रदेश के सुवर्णरेखा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जगह-जगह आम का स्वाद, रंग और खुशबू बदल जाती है, लेकिन यह हमेशा गर्मियों की खुशियां लेकर आता है। आम उत्पादक किसान भाई-बहनें न केवल देश की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बना रहे हैं बल्कि वैश्विक बाजार तक भारतीय आम की पहुंच बढ़ा रहे हैं।

पीएम ने अहिल्याबाई होल्कर को उनकी जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अहिल्याबाई होल्कर का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि पूरा देश लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को उनकी बुद्धिमत्ता, करुणा और जनकल्याण के प्रति अटूट निष्ठा के लिए श्रद्धा के साथ स्मरण करता है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन सुशासन, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक गौरव का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ शासन किया। प्रधानमंत्री ने उनके न्याय और जनकल्याण के क्षेत्र में किए गए योगदान को ऐतिहासिक बताया। साथ ही देशभर में धार्मिक स्थलों और तीर्थों के पुनर्निर्माण में उनकी भूमिका का विशेष उल्लेख किया। अहिल्याबाई होल्कर का जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रतीक है और आने वाली पीढ़ियों को लगातार प्रेरित करता रहेगा। अहिल्याबाई होल्कर 18वीं शताब्दी में इंदौर राज्य की शासक थीं।

प्रधानमंत्री ने गर्मी की बढ़ती तीव्रता में देशवासियों से सावधानी बरतने की अपील की

प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को प्रोत्साहित किया कि वे इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री ने गर्मी की बढ़ती तीव्रता में देशवासियों से सावधानी बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि तेज धूप और लू में लोग ज्यादा पानी पिएं, धूप से बचाव करें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन करें। प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर भारत में आम पन्ना, पंजाब-हरियाणा में ठंडी लस्सी, राजस्थान-गुजरात में छाछ, बिहार-झारखंड में सत्तू का शरबत, कोंकण-गोवा में कोकम शरबत और सोल कढ़ी तथा दक्षिण भारत में पानकम, नीर मोर, सम्बारम और ओडिशा में बेल पना जैसे पेयों का भी जिक्र करते हुए इन पेयों को एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना का जीवंत उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि ये पीढ़ियों के अनुभव पर आधारित हैं तथा स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हैं। प्रधानमंत्री कहा कि आजकल बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक एस्ट्रोनॉमी क्लब सक्रिय हो रहे हैं।

पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे, 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेता लाभान्वित

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल ने पीएम स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के 6 साल पूरे होने पर कहा कि इस योजना के तहत पिछले छह वर्षों में देशभर के 75.5 लाख से अधिक रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को लाभ मिला है। योजना ने लाखों लोगों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़कर उनकी आजीविका को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योजना के 6 वर्ष पूरे होने के अवसर पर रविवार को अगर्तला में आयोजित कार्यक्रम में मनोहर लाल ने त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा की उपस्थिति में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के लाभार्थियों से संवाद किया। इस दौरान त्रिपुरा के रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को ऋण स्वीकृति पत्र और क्रेडिट कार्ड भी वितरित किए गए।

मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2020 में शहरी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनकी आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से पीएम स्वनिधि योजना शुरू की थी।

4 1

जितेंद्र सोनकर ने ग्रामीणों संग सुनी 'मन की बात'

कोसम इनाम में जनकल्याणकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी (स्वाती मिश्रा)। मंझनपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कौशाम्बी मंडल की कोसम इनाम ग्राम पंचायत स्थित राजा परीक्षित पंचायत भवन में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख सिराथू एवं जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार सोनकर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बूथ संख्या 410, 411 और 412 पर बड़ी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया।

जितेंद्र कुमार सोनकर ने ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों सहित सैकड़ों लोगों के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन सुना। पंचायत भवन परिसर में लगी बड़ी एलईडी स्क्रीन पर सीधा प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम शुरू होते ही बड़ी संख्या में लोग पंचायत भवन में एकत्र हो गए और उन्होंने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देश की उपलब्धियों, सामाजिक जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, आत्मनिर्भर भारत, युवाओं की भूमिका और जनभागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के बाद उपस्थित लोगों ने इन विषयों पर चर्चा की और 'मन की बात' को समाज में सकारात्मक परिवर्तन तथा जनजागरूकता का प्रभावी माध्यम बताया।

मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमार सोनकर ने प्रधानमंत्री के इस सीधे संवाद के प्रयास को अत्यंत सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि एलईडी स्क्रीन के माध्यम से सामूहिक प्रसारण से अधिक लोग प्रधानमंत्री के विचारों और संदेशों से जुड़ सके। सोनकर ने उपस्थित लोगों से राष्ट्र निर्माण और समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि रोहित यादव सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने प्रधानमंत्री के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज एवं राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में राजू केसरवानी, पूर्व मंडल अध्यक्ष म्योहर धर्मेंद्र सिंह पटेल, मंडल उपाध्यक्ष म्योहर शिवम सिंह पटेल सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में बूथ अध्यक्ष राम समुंदर, रतई लाल सरोज, गोरे लाल, चंद्रिका प्रसाद, सुरेंद्र पाल, मिथुन बाधिक तथा महंत लाल अग्रहरि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की सम्मानपूर्ण विदाई किया गया

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । रविवार को को पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में उत्तर प्रदेश पुलिस में अपनी दीर्घकालिक, निष्ठापूर्ण एवं अनुकरणीय सेवाएँ प्रदान कर सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस कर्मियों के सम्मान में एक गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह द्वारा की गई ।

इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी पुलिसकर्मियों को पुष्पमाला पहनाकर, अंगवस्त्र भेंट कर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके द्वारा विभाग को दी गई उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना की गई । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो वर्षों की मेहनत, कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन का प्रतीक है । उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनके अनुभवों को विभाग के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया ।

विदाई समारोह के दौरान पुलिस कार्यालय अधिकारी/कर्मचारी गण एवं सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के परिवारीजन उपस्थित रहे । सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए एवं उनके योगदान की सराहना की गयी ।

हत्या का प्रयास करने वाला आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । तीन मई को थाना चरवा पर वादी पिन्टू कुमार पुत्र सोहन लाल निवासी काजीपुर थाना संदीपनघाट जनपद कौशाम्बी द्वारा सूचना दी गयी कि दिनांक 02.05.2026 को ग्राम बहादुरपुर थाना चरवा में निमंत्रण खाकर वापस अपने घर जा रहा था तभी रास्ते में स्कूल के पास कुछ लोग शराब पी रहे थे । जब मैने उन्हें शराब पाने से मना किया तो वह लोग गाली गलौज करते हुए मुझे मारने पीटने लगे तथा बचाने आये व्यक्ति को भी मारने पीटने लगे, जिससे हम दोनों लोगों के सिर में चोट लगी है ।
रविवार को थाना चरवा पुलिस टीम द्वारा मुखविर खास की सटीक सूचना के आधार मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित प्रकाश में आये वांछित अभियुक्त दिनेश कुमार पुत्र स्व0 बद्रीप्रसाद निवासी ग्राम बहादुरपुर थाना चरवा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

जानलेवा हमला का अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी । पांच दिन पहले थाना सराय अकिल पुलिस द्वारा गस्त/चेकिंग हेतु क्षेत्र में भ्रमणशील थी तभी सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अकबराबाद गुहौली थाना सराय अकिल में दो पक्ष जमीन के बटवारे के विवाद को लेकर आपस में गाली गलौज एवं जान से मारने की नीयत से लाठी, डण्डों व धारदार हथियार से वार कर रहे है, जिसमें दोनों पक्षों के कुछ लोगों के गम्भीर चोटें आयी है।
थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा मुखविर खास की सटीक सूचना के आधार मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त फूलकुमार पुत्र रामलखन निवासी ग्राम अकबराबाद गुहौली थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को तिल्हापुर मोड़ से गिरफ्तार किया गया ।

अहिल्याबाई होलकर एक अद्वितीय शासिका थीं-गौरव

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । नगर पंचायत चरवा स्थित कैंप कार्यालय पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में लोकमाता अहिल्या बाई होलकर जी की जयंती मनाई गई इस दौरान जिलाध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने उनके बारे में बताया कि मंदिरों का जीर्णोद्धारः उन्होंने भारत भर के तीर्थस्थलों पर हजारों मंदिरों,घाटों और धर्मशालाओं का निर्माण और पुनर्निर्माण करवाया। इनमें सबसे प्रमुख 1780 में औरंगजेब द्वारा नष्ट किए गए काशी विश्वनाथ मंदिर (वाराणसी) का पुनर्निर्माण है। इसके अलावा सोमनाथ, गया, बद्रीनाथ, केदारनाथ, रामेश्वरम और द्वारका में भी उन्होंने निर्माण कार्य करवाए। इसके बाद उन्होंने अपने राज्य में व्यापार, कृषि

और उद्योग को बढ़ावा दिया। उन्होंने निर्धनों, विधवाओं और बेसहारा लोगों के लिए हमेशा अपने राजकोष के द्वार खुले रखे। लेकिन विगत दिनों भाजपा सरकार ने काशी में बनारस (वाराणसी) में मणिकर्णिका घाट के जीर्णोद्धार और विकास कार्य के दौरान लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की प्रतिमा और चबूतरे को क्षति पहुंचाई और उस हकीकत को जनता से छुपाया यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री मोदी बनारस से सांसद है और उनके ही राज में उन्हीं की सरकार इस तरीके का कृत्य कर रही है आम जनता अब इनके बहकावे में नहीं आएगी वह सबकुछ देख रही है कि किस तरह से उन्हें भ्रमित कर भाजपा अपना काम निकाल रही है भाजपा इसका जवाब वह आने वाले चुनावों में देगी।

इस अवसर पर पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,जिला रामसूरत रैदास,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,श्याम सिंह भदौरिया,जिला सचिव जयप्रकाश जायसवाल,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,ब्लाक अध्यक्ष मंझनपुर प्रदीप सिंह पटेल,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,रमेश यादव,राकेश पाल,लल्लन पाल,उमेश पाल,रंजीत पाल,राजेंद्र पाल, अशर्फी लाल,गोलू कुमार,बलजीत कुमार,आलोक त्रिपाठी,प्रियांशु त्रिपाठी,कपिल पाण्डेय,अवधेश कुमार,इंद्रपाल रैदास,प्रदीप गौतम,नथन लाल,रजनीश कुमार,सौरभ कुमार,साहिल गौतम,पुनि लाल,व्यापार मंडल अध्यक्ष कैलाश केसरवानी,बड़का रैदास,राम जी सेन सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नाबालिग अपहृता की सकुशल बरामद बाल अपचारी को पुलिस संरक्षण में लिया गया

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों/वारंटियों की गिरफ्तारी तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा अपहरण से संबंधित नाबालिग अपहृता को सकुशल बरामद किया गया साथ ही उक्त अभियोग से संबंधित बाल अपचारी को बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा संरक्षण में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई है।

वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारंटियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना हथगाँव पुलिस द्वारा आबकारी अधिनियम थाना हथगांव से संबंधित वारंटी अभियुक्त जितेन्द्र लोधी पुत्र सियाराम निवासी ग्राम लाल का पुरवा थाना हथगाँव जनपद फतेहपुर उम्र करीब 50 वर्ष को गिरफ्तार कर मान।

पश्चिम शरीरा पुलिस द्वारा 2 वारण्टी अभियुक्तों को गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना पश्चिम शरीरा पुलिस टीम द्वारा जानलेवा हमले से सम्बन्धित 2 वारण्टी अभियुक्त श्रीनाथ पुत्र हुबलाल . शारदा प्रसाद पुत्र स्व0 भुलई निवासी गण दानपुर थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

चांदपुर पुलिस द्वारा दहेज हत्या के 2 वांछित अभियुक्त/अभियुक्ता गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में रविवार को थाना चांदपुर पुलिस द्वारा डीपी एक्ट थाना चांदपुर जनपद फतेहपुर से सम्बन्धित 2 वांछित अभियुक्तगण ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 रामसिंह उम्र करीब 30 वर्ष . शशीबाला पत्नी स्व0 रामसिंह उम्र करीब 60 वर्ष निवासीगण ग्राम दपसौरा थाना चांदपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

पुलिस परिवार के बच्चों को बुक फेयर, समर कैंप एवं आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस लाइन जनपद कौशांबी में वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्षा श्रीमती शोभा वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी सत्यनारायण की उपस्थिति में पुलिस लाइन स्थित मनोरंजन कक्ष में पुलिस परिवार के बच्चों के लिए बुक फेयर का आयोजन किया गया।

बुक फेयर में बच्चों को रियायती दरों पर ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध कराई गईं, जिनमें प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, कहानी, उपन्यास एवं अन्य शिक्षाप्रद पुस्तकें शामिल रहीं।

कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में पठन-पाठन के प्रति रुचि विकसित करना एवं ज्ञानवर्धन को प्रोत्साहित करना रहा।

इसी क्रम में दिनांक 16.05.2026 से पुलिस लाइन में संचालित समर कैंप के अंतर्गत बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास एवं टीम वर्क की भावना विकसित करने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

कैंप के दौरान बच्चों एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा, योग एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

साथ ही उनके रचनात्मक कौशल के विकास के लिए कलश पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षण तथा पेंटिंग एवं क्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया।

समर कैंप के समापन अवसर पर प्रतिभागी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की अध्यक्षा द्वारा पुस्तकें वितरित की गईं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों की सराहना की गई तथा उन्हें निरंतर अध्ययन, रचनात्मक गतिविधियों एवं खेलकूद में सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी वेलफेयर शाखा रतन सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी एवं पुलिस परिवारजन उपस्थित रहे।

अज्ञात में मिले युवक के शव को नहीं हो सकी पहचान

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के कहार गल्ला के पीछे सप्लाई डिपो रेलवे पटरी के डाउन ट्रैक के पास २७ मई को अज्ञात में मिले एक युवक के शव की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस प्रयागराज सहित आसपास के जनपदों में सपर्क कर और फोटो से पहचान कराने की कोशिश कर रही है। वैंष्टट पुलिस के मुताबिक २७ मई यानी बुधवार को लगभग लगभग ४५ वर्षीय एक अज्ञात युवक का शव मिला था। पुलिस ने पहचान कराने की कोशिश की लेकिन नहीं हो सकी। अज्ञात में शव को पीएम के लिए भेजा गया था। पुलिस मृतक के पास मिले फोटो एवं उसके हुलिया से सोशलमीडिया एवं प्रयागराज सहित अन्य पड़ोसी जनपदों में संपर्क कर पहचान कराने की कोशिश कर रही है।

झपटमारी करने वाले 3 शातिर गिरफ्तार, 12 मोबाइल फोन व बाइक बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। जार्जटाउन पुलिस ने झपटमारी करने वाले तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उनके विरुद्ध धारा 304(2) बीएनएस से सम्बन्धित मुकदमे दर्ज थे। गिरफ्तार किए गए तीन अभियुक्तों में राज सिंह निवासी 94 अ/100 यूनानी मेडिकल हिम्मतगंज पोस्ट जीटीबी नगर थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज, मयंक श्रीवास्तव निवासी किराये पर कल्लू कचौड़ी के बगल में कटरा थाना कर्नलगंज जनपद प्रयागराज व और नितिन सिंह उर्फ निखिल निवासी 465 लकड़मण्डी सुल्तानपुर थाना खुल्दाबाद जनपद प्रयागराज शामिल हैं।इन तीनों को मुखबिर की सूचना पर हासिमपुर ओवरब्रिज के पास थाना क्षेत्र जार्जटाउन से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से झपटमारी के 12 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त बिना नम्बर प्लेट की एक बाइक बरामद की गयी। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी कर इन तीनों को जेल भेज दिया गया।

तंबाकू व धूम्रपान ने परिवारों की सुख–शांति नष्ट किया – सरदार पतविंदर

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विभिन्न जगहों पर चौपाल, पदयात्रा कर जन जागरूकता करते हुए कहा कि कितने ही परिवारों की सुख शांति केवल तंबाकू व धूम्रपान ने नष्ट कर दिया है। बूढ़े मां बाप की दवा नहीं, बच्चों के लिए कपड़े-किताब नहीं, पत्नी के गले में मंगलसूत्र नहीं,चूल्हे पर दाल-रोटी नहीं,पर नशा चाहिए। अस्पतालों के वार्ड ऐसे रोगियों से भरे पड़े हैं जो अपनी जवानी नशे को भेंट कर चुके हैं। करोड़ों लोग अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर लिए एक जिंदा लाश बने जी रहे हैं। नशे की ओर बढ़ रही युवा पीढ़ी बौद्धिक रूप से कमजोर हो

रही है। उन्होंने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि वैश्विक स्तर पर तंबाकू सेवन के प्रयोग पर बैन लगाया जाए या इसे रोका जाए।
क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरदार पतविंदर सिंह ने आगे कहा कि नशे की संस्कृति युवा पीढ़ी को गुमराह कर रही है अगर यही प्रवृत्ति रही तो देश के उच्च प्रशासनिक व सामाजिक पदों के ऊंचे पदों के लिए शरीर और दिमाग से स्वस्थ व्यक्ति नहीं मिलेंगे नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण हम एक स्वस्थ नहीं,बीमार राष्ट्र और समाज का ही निर्माण कर रहे हैं आज छोटे बच्चे,महिलाएं नशे के आदी हो चुकी हैं ऐसे नशे करते हैं कि रूह कांपती है' हर साल लाखों लोग अपना जीवन दांव पर लगा रहे हैं नशा आज एक फैशन बन चुका है तंबाकू चबाने या धूम्रपान के द्वारा होने वाली परेशानियों से लोगों को जागरूक होना ही पड़ेगा' विश्व तंबाकू निषेध दिवस जन जागरूकता रैली में कई सामाजिक देशभक्त स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

यमुनापार के 1433 भाजपा बूथों पर सुनी गई 'मन की बात'

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' के 134वें एपिसोड को भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज यमुनापार जिले के सभी 20 मंडलों एवं 1433 बूथों पर सुना गया। रविवार को बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। भाजपा यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने विधानसभा करछना के सोमेश्वर मंडल के बूथ संख्या-82 बरामार में बूथ अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह पटेल के आवास पर कार्यकताओं के साथ शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने बूथ समिति की बैठक लेकर मतदाता सूची की समीक्षा की तथा बूथ समितियों एवं प्राथमिक सदस्यों के साथ संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की।

जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ल ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन, जनभागीदारी, स्थानीय उत्पादों के प्रोत्साहन तथा नवाचार जैसे विषयों पर प्रेरणादायी संदेश देकर देशवासियों को राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

मन की बात के जिला संयोजक एवं जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने झंझरा चौबे, नारीबारी स्थित बूथ संख्या-269 पर किसानों एवं कार्यकताओं के साथ रेडियो पर कार्यक्रम सुना। उन्होंने बताया कि यमुनापार जिले के सभी 1433 बूथों पर मन की बात सुनने के साथ-साथ बूथ समितियों की मासिक बैठकें आयोजित की गईं। कार्यक्रम में उठाए गए विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने कहा, मन की बात केवल एक संवाद कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला जनआंदोलन है, जो प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित के कार्यों से जुड़ने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर बालकेश्वर पांडेय, आनंद तिवारी, धर्मराज पाल, बबलू द्विवेदी, सुभाष चन्द्र चतुर्वेदी, भोला केसरवानी, साक्षी चतुर्वेदी, ओम मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

धरोहर कार्यक्रम में बिखेरी सुर लहरियां

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में सप्ताहान्त धरोहर संगीत संध्या में सुश्री जया पाण्डेय ने सुर लहरियां बिखेरी। राग यमन पर आधारित गणेश वंदना जय गणनायक से आरंभ कर उन्होंने राग किरवानी में भजन मन भाया रे सांवरिया, मोहनि मूरत सावरि सूरत हृदय बीच समाया से वातावरण को भक्तिमय बनाया। इसके पश्चात राग भैरवी में उन्होंने परमेश्वर का आह्वान करते हुए तुम आ जाना भगवान, मै द्वार खोलकर बैठा हूँ सुनाकर तालियां बटोरी। अंत में उन्होंने गोदिया से उतरे धरे पाँव भुइयाँ ठुमुक चले राम चलें कबहूँ चलें बकैइया, ठुमक चलत राम चन्द्र बाजत पैजनिया सुना कर श्रोताओं को भाव विभोर किया। कार्यक्रम में स्वागत व सम्मान डॉ सोनिका तिवारी तथा संचालन डॉ सुशील कुमार ने किया।

अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती पर एक भव्य शोभायात्रा का हुआ आयोजन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। कड़ा विकास खण्ड के अंतर्गत गिरधरपुर गढ़ी गांव में रविवार को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया।इस दौरान पूरा क्षेत्र माता अहिल्याबाई के जयकारों से गुंजायमान हो उठा।गिरधरपुर गढ़ी से पारंपरिक रीति-रिवाज और गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा का शुभारंभ हुआ।यह भव्य शोभायात्रा क्षेत्र के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए देवीगंज बाजार पहुंची जहाँ स्थानीय व्यापारियों और ग्रामीणों ने यात्रा का जोरदार स्वागत किया। शोभायात्रा में शामिल युवा माता अहिल्याबाई होल्कर अमर रहें के नारे लगाते हुए चल रहे थे।लोकमाता के सेवा और त्याग के संदेशों को याद करते हुए लोगों में भारी उत्साह देखा गया।इस शोभायात्रा का सौरई

बुजुर्ग स्थित काली माता मंदिर पहुंचकर गरिमामय समापन हुआ।इस अवसर पर आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य रामप्रकाश पाल ने लोकमाता के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर केवल एक शासक नहीं बल्कि महिला सशक्तिकरण, न्याय और सनातन धर्म की महान संरक्षिका थीं। उन्होंने देश के कोने-कोने में मंदिरों, घाटों और धर्मशालाओं का जीर्णोद्धार कराकर समाज को एक नई दिशा दी। आज की युवा पीढ़ी को उनके त्याग, परोपकार और कुशल नेतृत्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस भव्य आयोजन का उद्देश्य उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है।सुरक्षा के लिहाज से कड़ाधाम पुलिस प्रशासन भी पूरी मुस्तैदी के साथ मुस्तैद रहा जिससे पूरी यात्रा शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से संपन्न हुई।इस शोभायात्रा में रामसिंह पाल, मुन्ना पाल, धरमपाल, धर्मेंद्र पाल, राजकरन पाल , विकास पाल, आशीष पाल, अनिल पाल, बच्चन पाल, राधेश्याम पाल, सीताराम पाल, प्रभात पाल, छेददू पाल, सुत्तीपाल, गोविंद पाल सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

तालाब में डूबने से भाई-बहन की मौत, मचा कोहराम

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के कटियाही गांव में रविवार सुबह तालाब में डूबने से भाई-बहन की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गईजानकारी के अनुसार कटियाही गांव निवासी जगदीश कुमार तालाब में मछली पालन का काम करते हैं रविवार सुबह करीब 9:30 बजे दो बच्चे खेल रहे थे।

इसी दौरान दोनों अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए। काफी देर तक बच्चों के दिखाई न देने पर ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान दोनों को तालाब से बाहर निकाला गया और तत्काल उपचार के लिए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतकों की पहचान सचिन यादव (12 वर्ष) एवं मधु यादव (10 वर्ष) के रूप में हुई है।

दोनों सगे भाई-बहन थे तथा मूल रूप से उतरांव थाना क्षेत्र के बलकसराय गांव के निवासी थे। बताया गया कि दोनों बच्चे अपने नाना मनमोहन यादव के घर कटियाही गांव कुछ दिन पूर्व आए हुए थे।हादसे की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंच गए। बच्चों की मौत की खबर से परिवार में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची थरवई पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। पुलिस व परिजन शवों के गांव पहुंचने का इंतजार कर रहे हैं।

फायरिंग करने वाला वांछित अभियुक्त पिस्टल कारतूस के साथ गिरफ्तार

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । थाना झूंसी पुलिस द्वारा फायरिंग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त मानवेंद्र सिंह उर्फ जेलर पुत्र उदय बहादुर सिंह निवासी कतवारूपुर थाना सराय इनायत जनपद प्रयागराज को रविवार को थाना क्षेत्र शिवकुटी से गिरफ्तार किया गया व उसके कब्जे से घटना मे प्रयुक्त 01 अवैध पिस्टल .32 बोर व 01 अवैध खोखा कारतूस .32 बोर बरामद किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

शनिवार को उक्त अभियुक्त मानवेंद्र सिंह उर्फ जेलर द्वारा थाना झूंसी क्षेत्रान्तर्गत तिरंगा चौराहा के पास सार्वजनिक स्थान पर फायरिंग की गयी थी, जिसके सम्बन्ध में थाना झूंसी पर प्राप्त तहरीर के आधार उक्त अभियोग पंजीकृत किया गया तथा अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया था ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

उ0नि0 सचिन तंवर, उ0नि0 अंशुमान सिंह, उ0नि0 अखिल ओझा, चौकी प्रभारी उ0नि0 हरिशंकर मिश्रा,. का0 अभिषेक सिंह, थाना झूंसी कमिश्नरेट प्रयागराज ।

भाजपा कार्यकताओं ने सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। रविवार को भाजपा कार्यकताओं ने भाजपा नेता जिला मीडिया प्रभारी गंगापार उमेश तिवारी के नेतृत्व में हथिगहां बूथ संख्या 295 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 134वां एपिसोड सुना मन की बात में मोदी ने कहा कि गर्मी बहुत है सभी लोग अपना ध्यान रखें गर्मी में आम पना लस्सी और सत्तू पिए भारत में आम चर्चा का विषय है देश के युवाओं में अद्भुत शक्ति है देश के एथलीट रिकॉर्ड बना रहे हैं बस्ती के आकाश गुप्ता की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने अपने गांव की नदी को साफ करने का संकल्प लिया और उसे पूरा किया तमिलनाडु की गिरिजा अम्मा के बारे में भी मोदी ने जानकारी दी तमिलनाडु में 15 स्कूल चलाने वाली गिरिजा अम्मा ने देश के वीर सैनिकों की मदद का बीड़ा उठाया और सभी छात्रों से एक रुपए रोज सेना को दान देने की अपील की इस छोटे से योगदान पर 40 लाख रुपए इकट्ठा हुए और उसे उन्होंने मोदी को सौंप दिया उन्होंने कहा कि जो लोग समाज के लिए अच्छा काम कर रहे हैं उन्हें पहचानिए और उसकी सराहना कीजिए और हो सके तो खुद भी कोई अच्छा काम करिए।इस अवसर पर मुख्य रूप से भाजपा नेता जिला मीडिया प्रभारी गंगापार उमेश तिवारी, गुड्डू राजा, संजय केशरी,अमित जयसवाल,पंकज मिश्रा, शिवा मौर्या, ओम प्रकाश, पप्पू जयसवाल, सुरेश शुक्ला, सुशील पांडेय,रामेश्वर तिवारी, शनि पटेल, मिथिलेश मौर्या, कल्लू मौर्य, प्रदीप मौर्या, आदि मौजूद रहे।

युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर 'जिन्दगी चुनें : न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह

विश्व तम्बाकू रहित दिवस पर भव्य जन-जागरूकता रैली

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी कार्यालय, प्रयागराज क्षेत्र की ओर से सिविल डिफेंस एवं लायंस इंटरनेशनल मंडल 321-ई के विशिष्ट समन्वय से "विश्व तम्बाकू रहित दिवस" के अवसर पर शहीद चन्द्रशेखर आजाद पार्क, कम्पनी गार्डन में "नशा मुक्त भारत अभियान" के तहत जन-जागरूकता रैली निकाली गयी।

मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह ने नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई एवं रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि "तम्बाकू सेवन जानलेवा है। युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर 'जिन्दगी चुनें, नशा नहीं' के संकल्प के साथ आगे आना होगा।" उन्होंने प्रत्येक स्कूल, कॉलेज व विश्वविद्यालय में विशेष रूप से छात्राओं को नशा मुक्त समाज बनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

रैली पार्क के गेट नं. 3 से प्रारंभ होकर गेट नं. 1 तक गई एवं वापस गेट नं. 3 पर समाप्त हुई।

इसके पूर्व मुख्य अतिथि का स्वागत क्षेत्रीय मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी सुश्री चारुल मिश्रा तथा लायन हिमांशु गुप्ता ने पुष्पगुच्छ भेंट किया। विशिष्ट अतिथियों का स्वागत लायन डॉ. आरके सिंह, लायन शीतला प्रसाद , लायन जगमोहन अग्रवाल एवं लायन सतीश टंडन ने किया।

रैली में सिविल डिफेंस की ओर से उप नियंत्रक नीरज मिश्रा, सहायक उप नियंत्रक राकेश तिवारी, डिवीजनल वार्डन मनी मेहरा, डिप्टी डिवीजनल वार्डन राजेंद्र तिवारी 'दुकान जी', डिप्टी डिवीजनल वार्डन आशीष बाजपेई सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

लायंस इंटरनेशनल मंडल 321-ई की ओर से कार्यक्रम के मुख्य संयोजक व प्रोटोकॉल अधिकारी लायन शीतला प्रसाद श्रीवास्तव के नेतृत्व में मण्डलाध्यक्ष लायन डॉ. अर्णधर दुबे, मण्डलाध्यक्ष निर्वाचित लायन उदय चंदानी, उप मण्डलाध्यक्ष प्रथम लायन उमेश चन्द्र कक्कड़ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

लायन रीना कमलेश जायसवाल, लायन शालिनी संजय गुप्ता, लायन माला धीरेन्द्र मिश्रा, डॉ. पुष्पेन्द्र, लायन अनिल, लायन सुनील, लायन श्याम जी केशरी, लायन हेमा अग्रवाल, लायन रोहित जायसवाल, लायन सुधीर कुमार, लायन शिव मूर्त, लायन प्रमोद श्रीवास्तव, लायन रवि गुप्ता सहित अन्य लायन सदस्यों ने अपने-अपने क्लब बैनर के साथ रैली में भाग लेकर लायंस की एकता व सामाजिक सरोकार का परिचय दिया।

सुश्री चारुल मिश्रा ने तम्बाकू व नशे के विरुद्ध निरंतर जन-जागरूकता अभियान चलाने पर बल दिया। यातायात पुलिस निरीक्षक पवन पांडे ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन नशामुक्त एवं स्वस्थ भारत के निर्माण के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित सिविल डिफेंस, लायंस क्लब, यातायात पुलिस एवं नुक्कड़ नाटक के प्रतिभागियों को सुश्री चारुल मिश्रा ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।धन्यवाद ज्ञापन अधीक्षक राजकीय उद्यान जगदीश प्रसाद ने किया। लायन शीतला प्रसाद श्रीवास्तव एवं लायंस क्लब प्रयागराज गौरव ने आयोजन के लिए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

माफिया अतीक के शूटर के रिश्तेदारों ने युवक पर किया हमला

सरेराह रोककर कार में की तोड़फोड़, छीने रुपये, चार नामजद सहित नौ पर एफआईआर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद के शूटर आबिद के रिश्तेदारों ने सरेराह एक डेरी संचालक के बेटे पर जानलेवा हमला किया। ईंट-पत्थर व डंडों से वार किया और कार में तोड़फोड़ की। कार में रखे ३६ हजार रुपये भी उठा लिये। पूरामुफ्ती पुलिस चार नामजद सहित नौ पर एफआईआर दर्ज कर जांच में जुट गयी है।

करेली निवासी मसूद अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसके पिता डेरी चलाते हैं और वह उनका हाथ बंटाता है। उसने बताया, २९ मई की शाम चार से पांच के बीच वह भगवतपुर ओवरब्रिज के नीचे वाली सड़क से जा रहा था। आगे बढ़ने पर देखा कि कुछ लोग बाइक रास्ते में लगाकर खड़े थे। कई बार हॉर्न देने पर भी उन लोगों ने बाइक नहीं हटाई। इस पर उसने उनसे कहा कि वह बाइक किनारे लगा लें।

इस पर वह झगड़े पर उतारू हो गए। साथ में पिता भी थे, ऐसे में उनके कहने पर वह वहां से चला गया। कुछ देर बाद काम से वापस लौट रहा था तभी उन्हीं युवकों ने उसे रोक लिया। उन्होंने अपने कुछ साथियों को भी बुला लिया था। इनमें तलहा, अबुबकर, ताहा पुत्र समसुल्लाह और उनके फुफेरे भाई एहतेशाम के अलावा चार-पांच अज्ञात लोग शामिल थे। सभी ने कार में तोड़फोड़ शुरू कर दी। विरोध पर उसे कार से नीचे खींच लिया और घेरकर हमला बोल दिया। ईंट-पत्थर व डंडों से जमकर पीटा। वह बेसुध होकर जमीन पर गिरा तो ताबड़तोड़ वार किए और धमकाते हुए भाग निकले। कुछ देर बाद राहगीरों ने देखा तो जानकारी घरवालों को दी और फिर उसे अस्पताल पहुंचाया गया। जाते-जाते उसकी कार में रखा कैश भी लूटकर भाग निकले। पीड़ित का कहना है कि अतीक अहमद के शूटर आबिद प्रधान के रिश्तेदार हैं और असरौली गांव के रहने वाले हैं। इनका सगा भाई दानिश आबिद का दामाद है और आबिद के नाम पर ही यह पूरे इलाके में गुंडागर्दी करते फिरते हैं। तीन महीने पहले भी उन्होंने पूरामुफ्ती में अरशद व अतहर नाम के दो सगे भाइयों पर हमला किया था।

नमाज पढ़कर लौटते वक्त काले रंग की फॉर्च्यूनर से आकर दोनों पर लोहे की रॉड, सरिया और कटटे व पिस्टल की बट से ताबड़तोड़ वार किए थे। हमलावरों ने अरशद का सिर फोड़ दिया था जबकि अतहर का हाथ तोड़ दिया था। इस मामले में एफआईआर भी दर्ज हुई लेकिन कोई ठोस कार्रवाई न होने से उनकी गुंडागर्दी जारी रही। पूरामुफ्ती पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश की जा रही है।

करंट से मौत पर बवाल, शव रखकर लगाया जाम; हत्या का मुकदमा दर्ज

मंफोर्डगंज हादसे के बाद परिजनों का प्रदर्शन, आरोपी मकान मालिक के बेटों की गिरफ्तारी और मुआवजे की मांग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज के मंफोर्डगंज में करंट लगने से कारपेंटर और मजदूर की मौत के मामले में रविवार को जमकर हंगामा हुआ। नाराज परिजनों ने दोनों शव सड़क पर रखकर लखनऊ राजमार्ग जाम कर दिया। करीब डेढ़ घंटे तक आवागमन बाधित रहा। बाद में अधिकारियों के आश्वासन पर जाम समाप्त हुआ।

मेटरः

लालपट्टी मंफोर्डगंज में शनिवार दोपहर मकान में काम करने के दौरान बघाड़ा निवासी रमेश सोनकर (55) और सादियाबाद निवासी दिनेश भारतीया (52) 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए थे। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

रविवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव सड़क पर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका आरोप था कि हादसे की सूचना उन्हें देर से दी गई और शवों को अज्ञात मानकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इससे परिजनों में आक्रोश फैल गया।

सूचना पर एसडीएम सदर अभिषेक सिंह और एसीपी कर्नलगंज विमल किशोर मिश्रा मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ।

उधर, दिनेश भारतीया के बेटे अनिकेत कुमार की तहरीर पर कर्नलगंज थाने में मकान मालिक खेतई लाल के बेटे पिंटू पटेल और विक्की पटेल के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। तहरीर में काम को लेकर विवाद के बाद मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया गया है।

डांसर और अभिनेत्री बनने का सपना, घर से भागीं तीन किशोरियां

मुंबई जाने के लिए स्टेशन पहुंचीं, आरपीएफ और पुलिस की सतर्कता से सुरक्षित बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फिल्मों में अभिनेत्री और डांसर बनने का सपना लेकर घर से भागीं तीन किशोरियों को रविवार को नैनी और छिवकी रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया गया। आरपीएफ और पुलिस की सतर्कता से तीनों को सुरक्षित उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

नैनी क्षेत्र की एक ही परिवार की दो किशोरियां शनिवार को बिना बताए घर से निकल गई थीं। रविवार को वे नैनी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर मुंबई जाने वाली ट्रेन का इंतजार कर रही थीं। इस दौरान आरपीएफ के उप निरीक्षक वीके तिवारी, कांस्टेबल अवधेश कुमार और कमर्शियल स्टाफ तरुण की नजर उन पर पड़ी। पूछताछ में किशोरियों ने बताया कि वे एक महिला डांसर की प्रशंसक हैं और उससे मिलने मुंबई जा रही थीं। उनके मोबाइल में डांस से जुड़े कई वीडियो भी मिले।

आरपीएफ ने दोनों किशोरियों को पोस्ट पर लाकर चाइल्ड लाइन टीम को सूचना दी। आवश्यक कार्रवाई के बाद उन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

वहीं, कानपुर देहात के मंगलपुर क्षेत्र की रहने वाली एक किशोरी 27 मई को घर से अभिनेत्री बनने के लिए निकली थी। रविवार को वह मुंबई जाने के लिए छिवकी स्टेशन पहुंची थी। लोकेशन मिलने पर कानपुर पुलिस ने नैनी पुलिस से संपर्क किया। छिवकी चौकी पुलिस ने किशोरी को बरामद कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया।

समय रहते तीनों किशोरियों के मिल जाने से उनके परिवारों ने राहत की सांस ली।

परीक्षा केन्द्र एवं कंट्रोल रूम का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार को आयोजित सहायक आचार्य, राजकीय महाविद्यालय (प्रा०)परीक्षा - 2025 एवं रविवार को ही बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झाँसी द्वारा आयोजित बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा 2026-28 को निष्पक्ष, पारदर्शी व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने के उद्देश्य से आर्य कन्या इंटर कालेज मुट्ठीगंज, रमा देवी इंटर कालेज बालिका कालेज सहित अन्य कालेजों में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापकों को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता व निर्धारित गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बनाये हुए सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरो के माध्यम से हो रही मॉनिटरिंग को भी देखा।

फाफामऊ पुल के पास गोवंशों से लदी गाड़ी पकड़ी, तीन के खिलाफ मुकदमा

दो गाय व एक बछड़ा बरामद, चालक समेत दो आरोपी फरार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। शिवकुटी पुलिस ने रविवार सुबह फाफामऊ पुल के पास गोवंशों से लदी एक गाड़ी पकड़ ली। वाहन की तलाशी में दो गाय और एक बछड़ा बरामद हुआ। मामले में एक आरोपित को हिरासत में लिया गया है, जबकि दो अन्य मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विश्व हिंदू परिषद के गौरक्षक सचल दस्ते की सूचना पर की गई कार्रवाई में पुलिस ने संदिग्ध वाहन को सुबह करीब साढ़े नौ बजे फाफामऊ पुल के पास रोका।

वाहन रुकते ही चालक समेत आगे बैठे दो लोग कूदकर भाग निकले, जबकि एक व्यक्ति को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान ओंकार निषाद के रूप में बताई।

विहिप से जुड़े विजय पांडेय की तहरीर पर दर्ज मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि करेली निवासी बुल्लू खान दूध देना बंद कर चुकी गायों को वाहन से नवाबगंज के दिलावलपुर गांव भेजता था। वहां गोवंशों के वध और गोमांस बिक्री की आशंका जताई गई है।

पुलिस के मुताबिक पकड़े गए व्यक्ति ने फरार हुए लोगों की पहचान बुल्लू खान और उसके भाई के रूप में की है। शिवकुटी पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार आरोपितों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पं. सामता प्रसाद की पुण्यतिथि पर सजा तबला दिवस, अनिंदो चटर्जी को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र में हुआ भव्य आयोजन, देशभर के संगीतज्ञों ने दी संगीतमय

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। पद्मभूषण पं. सामता प्रसाद 'गुदई महाराज' की 32वीं पुण्यतिथि पर रविवार को उत्तर मध्य सांस्कृतिक केंद्र में तबला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र और पं. सामता प्रसाद ट्रस्ट ऑफ तबला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ तबला वादक पं. अनिंदो चटर्जी को 'पद्मभूषण पं. सामता प्रसाद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तबला, गायन और कथक की प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती, पं. सामता प्रसाद 'गुदई महाराज' तथा गुरु पं. कुमार लाल मिश्र के चित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों ने कुलगीत प्रस्तुत कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि प्रो. स्वतंत्र शर्मा ने कहा कि गुदई महाराज की स्मृति में आयोजित तबला दिवस संगीत जगत के लिए प्रेरणादायी आयोजन है। उन्होंने कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. रेनू जौहरी को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। वहीं सिद्धिविनायक पैठणकर ने कहा कि गुरु पं. अनिंदो चटर्जी के साथ मंच साझा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में संस्कृति केसरवानी ने कथक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। प्रो. रेनू जौहरी ने कहा कि पं. सामता प्रसाद जैसे कलाकार सदियों में जन्म लेते हैं। तबला वादन में ध्वनि गुणवत्ता और साउंड प्रोडक्शन के क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है।

इस अवसर पर संगीत क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए उर्मिला शर्मा, गिरिधर गोपाल मिश्र, डॉ. इन्द्रेश मिश्र और सिद्धिविनायक पैठणकर को 'संगीत सेवा रत्न पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इसके बाद डॉ. इन्द्रेश मिश्र ने ख्याल, ठुमरी, दादरा और बनारस घराने की विशिष्ट रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। तबले पर डॉ. गिरिधर गोपाल मिश्र और हारमोनियम पर अनुराग मिश्र ने संगत की। वरिष्ठ तबला वादक सिद्धिविनायक पैठणकर के एकल तबला वादन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके वादन में तकनीकी दक्षता और कला-कौशल की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण फरुर्खाबाद घराने के वरिष्ठ तबला वादक पं. अनिंदो चटर्जी रहे। ट्रस्ट की ओर से उन्हें मानपत्र, अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया तथा 'पद्मभूषण पं. सामता प्रसाद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' प्रदान किया गया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद पं. अनिंदो चटर्जी ने कहा कि उनके तबला जीवन में पं. सामता प्रसाद का प्रभाव सबसे अधिक रहा है। उन्होंने कहा कि तबला जगत के इतिहास में उनका नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनके वादन की लोकप्रियता, बोलों की मिठास और साउंड प्रोडक्शन अद्वितीय था। उन्होंने अपने तबला वादन के माध्यम से पं. सामता प्रसाद को संगीतमय श्रद्धांजलि अर्पित की। सारंगी पर उस्ताद मुदस्सर खान ने संगत की।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। संचालन डॉ. आकांक्षा पाल ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी, विद्यार्थी, शोधार्थी और कलाकार उपस्थित रहे।

त्रिभाषा फार्मूला है भारत की शिक्षा का नया क्षितिज

भारत केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि भाषाओं, बोलियों, संस्कृतियों और परंपराओं का विराट संगम है। यहां भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान, संस्कृति, संवेदना और सामाजिक चेतना का आधार भी है। ऐसे बहुभाषी देश में शिक्षा व्यवस्था को किस भाषा में संचालित किया जाए और बच्चों को कौन-कौन सी भाषाएं पढ़ाई जाएं, यह प्रश्न लंबे समय से बहस और राजनीति का विषय रहा है। इसी संदर्भ में त्रिभाषा फार्मूला भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण अवधारणा के रूप में सामने आया। आज नई शिक्षा नीति-2020 और सीबीएसई के ताजा निर्णय ने इसे नए स्वरूप में पुनः प्रासंगिक बना दिया है। नौवीं कक्षा में दो भारतीय भाषाओं को अनिवार्य करने का निर्णय केवल एक शैक्षिक सुधार नहीं, बल्कि भारत की भाषाई आत्मा को मजबूत करने का दूरदर्शी प्रयास है। त्रिभाषा फार्मूला मूलतः 1964-66 के कोठारी आयोग की देन है। इसका उद्देश्य था कि भारत के छात्र तीन भाषाएं सीखें-पहली मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी हिंदी या अन्य भारतीय भाषा तथा तीसरी अंग्रेजी। इस व्यवस्था के पीछे भावना यह थी कि देश के विभिन्न भाषाई समुदायों के बीच संवाद, समझ और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा दिया जाए।

त्रिभाषा फार्मूला का उद्देश्य ही था कि उत्तर भारत के बच्चे दक्षिण भारत की कोई भाषा सीखें और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी से परिचित हों। किंतु दुर्भाग्य से यह नीति अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप सफल नहीं हो सकी। इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण राजनीतिक विवाद और भाषाई असंतुलन रहा। विशेषकर दक्षिण भारत, खासकर तमिलनाडु में इसे हिंदी थोपने के प्रयास के रूप में देखा गया। वहां यह भावना बनी कि केंद्र सरकार हिंदी को राष्ट्रभाषा के नाम पर क्षेत्रीय भाषाओं पर वर्चस्व दिलाना चाहती है। दूसरी ओर उत्तर भारत ने भी त्रिभाषा फार्मूले की आत्मा को गंभीरता से नहीं अपनाया। यहां अधिकांश राज्यों ने तीसरी भाषा के रूप में किसी दक्षिण भारतीय भाषा को अपनाने के बजाय संस्कृत को शामिल कर औपचारिकता पूरी कर ली। परिणाम यह हुआ कि जिस पारस्परिक भाषाई संवाद एवं सौहार्द की कल्पना की गई थी, वह विकसित नहीं हो सका। आज भी स्थिति यह है कि उत्तर भारत के अधिकांश निजी विद्यालयों में बच्चों को अंग्रेजी के साथ फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी जैसी विदेशी भाषाएं पढ़ाई जाती हैं, लेकिन भारतीय भाषाओं की उपेक्षा की जाती है। कई प्रतिष्ठित स्कूलों में हिंदी तक को गौण बना दिया गया है। यह विडंबना ही है कि विदेशी भाषाएं आधुनिकता और प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती हैं, जबकि अपनी मातृभाषा या भारतीय भाषाएं अतिरिक्त बोझ बताई जाती हैं। यह मानसिकता भारतीय भाषाओं के प्रति हीनभावना को दर्शाती है। आश्चर्य है कि दो-तीन विदेशी भाषाएं पढ़ना अभिभावकों को अपने बच्चों पर अतिरिक्त बोझ नहीं लगता, लेकिन अपनी मातृभाषा और भारतीय भाषाएं सीखने के नाम पर वे सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। यह अनुचित है। सरकार को किसी भी हालत में झुकना नहीं चाहिए। त्रिभाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं विशेषतः हिंदी को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी और प्रासंगिक है। यह केवल भाषा सीखने की नीति नहीं, बल्कि भारत की भाषाई एकता और सांस्कृतिक सौहार्द को मजबूत करने का माध्यम है। इस व्यवस्था से उत्तर भारत के विद्यार्थी दक्षिण भारतीय भाषाओं से परिचित होंगे और दक्षिण भारत के विद्यार्थी हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं को समझ सकेंगे, जिससे भाषाई दूरी और क्षेत्रीय संकीर्णता कम होगी। साथ ही मातृभाषा आधारित शिक्षा बच्चों की समझ, संवेदनशीलता और अभिव्यक्ति क्षमता को भी विकसित करती है। आज वैश्वीकरण के दौर में विदेशी भाषाओं का ज्ञान उपयोगी अवश्य है, लेकिन अपनी भाषाओं की उपेक्षा किसी भी राष्ट्र के सांस्कृतिक आत्मविश्वास को कमजोर करती है। इसलिए त्रिभाषा फार्मूला भारतीय भाषाओं को सम्मान देने, हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में मजबूत बनाने तथा भारत की बहुभाषी सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरदर्शी और आवश्यक पहल है।

सवालों से बचती सत्ता और घुटनों पर बैठा मीडिया

दिलीप कुमार पाठक

30 मई को भारत में हर साल हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमारे देश में हिंदी भाषा में पहला अखबार शुरू होने की याद में मनाया जाता है। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने साल 1826 में इसे कोलकाता से शुरू किया था। उस दौर में पत्रकारिता का एक ही मकसद था, देश को आजाद कराना और समाज को जगाना। लेकिन आज जब हम इस दिन को मनाते हैं, तो खुशी से ज्यादा हमारे मन में एक चिंता होती है। आज की पत्रकारिता उस ऊंचे रास्ते से बहुत दूर आ चुकी है। आज हमारा मीडिया और पत्रकारिता का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। पत्रकारिता को कभी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता था, जिसका काम जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाना और सरकार की कमियों को सामने लाना था। लेकिन आज ऐसा लगता है कि यह स्तंभ कमजोर हो चुका है। अखबारों और टीवी चैनलों पर अब जनता के असली मुद्दे, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य गायब हो चुके हैं। इसकी जगह दिन-रात धर्म के नाम पर विवाद, राजनीतिक दलों की आपसी लड़ाई और गैर-जरूरी सनसनीखेज खबरें दिखाई जाती हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी तरफ खींचने की इस अंधी दौड़ ने खबरों को सिर्फ एक तमाशा बना दिया है। भारतीय पत्रकारिता की यह गिरती हुई साख अब सिर्फ देश के भीतर ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में धूमिल हो रही है। दुनिया भर में प्रेस की आजादी को नापने वाली सूची में भारत लगातार नीचे गिरकर 157वें स्थान पर पहुंच गया है। यह इस बात का साफ सबूत है कि हमारे देश में निष्पक्ष पत्रकारों के लिए काम करना कितना मुश्किल हो गया है। सरकार की कमियों पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों को डराया-धमकाया जाता है, उन पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं या उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है।

हाल ही में नॉर्वे दौरे पर हुई एक घटना ने वैश्विक स्तर पर भारतीय मीडिया की इस स्थिति को पूरी दुनिया के सामने ला दिया। ओस्लो में एक साझा प्रेस वार्ता के बाद, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोडियम से हटने लगे, तो नॉर्वे की एक महिला पत्रकार हेला लेंग ने उनसे एक सीधा और सरल सवाल पूछ लिया कि, पीएम मोदी आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के पत्रकारों के सवालों के जवाब क्यों नहीं देते? प्रधानमंत्री इस सवाल का बिना कोई जवाब दिए वहां से आगे बढ़ गए, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया में फैल गया और इसने वैश्विक मंच पर भारतीय लोकतंत्र की छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा।

यह घटना एक और बड़े कड़वे सच को सामने लाती है। पिछले 12 सालों के अपने कार्यकाल में पीएम मोदी ने भारत में एक भी पारंपरिक और स्वतंत्र प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की, जब देश का मुखिया ही खुलकर पत्रकारों के तीखे और सीधे सवालों का सामना करने से बचता है, तो नीचे की पूरी व्यवस्था में जवाबदेही खत्म होने लगती है। जब सत्ता मीडिया के सामने जवाबदेह नहीं होगी, तो मीडिया भी धीरे-धीरे जनता के मुद्दे छोड़ सिर्फ सत्ता की तारीफ करने का जरिया बन जाता है। आज सोशल मीडिया और इंटरनेट के आने से आम लोगों को अपनी बात रखने का मौका तो मिला है, लेकिन वहां भी झूठी खबरों और नफरत का बाजार गर्म है। चंद रुपयों के लिए इंटरनेट पर झूठ फैलाया जाता है, जिससे समाज में आपसी भाईचारा खत्म होता है। असली और गंभीर पत्रकारिता इस शोर में कहीं दबकर रह गई है।

पत्रकारिता का जो काम समाज को जोड़ने का था, वह आज समाज को बांटने का जरिया बनता जा रहा है। इस गिरते दौर में हिंदी पत्रकारिता दिवस सिर्फ एक रस्म अदायगी की तरह मनाकर भूल जाने का दिन नहीं है। यह दिन गहराई से सोचने का है। आज मीडिया मालिकों, संपादकों और खुद पत्रकारों को यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे सिर्फ नेताओं और सरकारों की हां में हां मिलाना चाहते हैं या फिर से जनता की आवाज बनना चाहते हैं? एक नागरिक के तौर पर हमारी भी जिम्मेदारी है कि हम अंधभक्ति और नफरत परोसने वाले चैनलों को देखना बंद करें।

हमें उन गिने-चुने स्वतंत्र पत्रकारों का साथ देना चाहिए, जो खुद को जोखिम में डालकर आज भी सच लिख रहे हैं। जब तक जनता सच का साथ नहीं देगी, तब तक पत्रकारिता का यह गिरता हुआ दौर नहीं सुधरेगा।

उत्तरप्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव में मायावती सभी जातियों को जोड़ने में लगी !

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए 2007 वाले सर्वजन (दलित-ब्राह्मण-मुसलमान) फॉमूर्ले को फिर से लागू करने की कोशिश कर रही है। अपनी राजनीतिक जमीन वापस पाने के लिए पार्टी भाईचारा कमेटियों के जरिए सभी जातियों को जोड़ने और टिकट वितरण में सोशल इंजीनियरिंग का दांव आजमा रही है। हालांकि, पार्टी की राह उतनी आसान नहीं है। 2024 के लोकसभा चुनाव और विभिन्न राज्यों के चुनावों में हार के बाद, पार्टी का जनाधार काफी सिकुड़ गया है। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बहुजन से सर्वजन की ओर जाने के पुराने प्रयोग से पार्टी का मूल वोट बैंक भ्रमित हुआ, जिसका फायदा अन्य दलों को मिला। अब 2026-2027 में मायावती एक बार फिर उसी सोशल इंजीनियरिंग फॉमूर्ले को आजमाकर अपनी खोई हुई ताकत हासिल करने का प्रयास कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी के इस सर्वजन और सोशल इंजीनियरिंग फॉमूर्ले की सफलता और चुनौतियों को विस्तार से जानना जरुरी है ।

बकी करीब 20 सालों के बाद एक बार फिर 2027 के विधानसभा चुनाव के लिये बसपा के पक्ष में दलितों के साथ ब्राह्मणों एवं मुसलमानों के वोटों की गोलबंदी देखी जा रही है। ब्राह्मणों और मुसलमानों के एक बार फिर बसपा की तरफ रुख करने की वजह में जाया जाए, तो ऐसा लगता है कि योगी राज में ब्राह्मणों को लग रहा है कि उनके साथ यह सरकार नाइंसाफी कर रही है। नौकरशाही से लेकर सरकार तक में महत्वपूर्ण पदों से ब्राह्मणों को दूर रखा गया है। यही वजह है कि पिछले कुछ समय में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में ब्राह्मण नेताओं का प्रवेश अधिक देखा गया है। जनवरी 2026 में अंबेडकर नगर से भाजपा के दिग्गज नेता राधेश्याम पांडे 51-100 ब्राह्मण समर्थकों के साथ बसपा में शामिल हुए। उन्होंने मायावती से मुलाकात कर पार्टी जॉइन की। दिसंबर 2025 में ब्राह्मण समाज के बड़े नेता जैसे जितेंद्र मिश्रा, दीपक द्विवेदी, नीरज पांडे, विशाल मिश्रा, वैभव दुबे, अनुराग शुक्ला, मोहित शर्मा भाजपा से बसपा में शामिल हुए। यह 2027 चुनाव से पहले भाजपा को झटका था। जनवरी 2026 में एक अन्य बड़े ब्राह्मण नेता ने मायावती से मुलाकात कर बसपा जॉइन की।

सवाल यह है कि क्या 2027 का उत्तर प्रदेश, 2007 वाला उत्तर प्रदेश है? क्या आज भी ब्राह्मण वोट सत्ता की दिशा तय करता है? क्या दलित समाज अब भी बसपा को अपना सबसे स्वाभाविक राजनीतिक घर मानता है? और क्या मायावती के पास वह संगठन, वे चेहरे और वह आक्रामकता बची है, जो भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच खुद के लिए जगह बना सके? इसके लिए 2007 को याद करना जरूरी है। बसपा ने 403 में से 206 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया था। पार्टी का वोट शेयर करीब 30। 4 प्रतिशत था। उस चुनाव में बसपा ने लगभग 86 ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे थे, जिनमें से बड़ी संख्या जीतकर विधानसभा पहुंची। सतीश चंद्र मिश्रा उस सोशल इंजीनियरिंग मॉडल का चेहरा बने। नारा था – ह्लब्राह्मण शंख बजाएगा, हाथी बढ़ता जाएगा ह्व

उस समय राजनीतिक हालात अलग थे। भाजपा कमजोर थी। समाजवादी पार्टी यादव-मुस्लिम पार्टी की छवि में सीमित थी। कांग्रेस हाशिए पर थी और मायावती आक्रामक, निर्णायक तथा सत्ता संभालने वाली नेता के रूप में स्थापित थीं। दलित वोट लगभग पूरी तरह उनके साथ था। जाटव वोट बैंक बसपा की रीढ़ था और गैर-जाटव दलितों में भी पार्टी की पकड़ मजबूत थी।लेकिन अब तस्वीर बदल चुकी है। 2022 विधानसभा चुनाव में बसपा का वोट शेयर गिरकर करीब 12। 9 प्रतिशत पर पहुंच गया। पार्टी केवल बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा सीट जीत सकी। 2017 विधानसभा चुनाव में बसपा को 19 सीटें मिली थीं और उसका वोट शेयर करीब 22 प्रतिशत था। यानी 2017 से 2022 के बीच पार्टी लगभग आधी राजनीतिक ताकत खो बैठी।

सबसे बड़ा झटका संगठनात्मक स्तर पर लगा। बसपा का कैडर, जो कभी बूथ स्तर तक सक्रिय माना जाता था, धीरे-धीरे निष्क्रिय होता गया। पार्टी के बड़े चेहरे या तो भाजपा और सपा में चले गए या फिर राजनीति से किनारा कर लिया। कई जिलों में बसपा के पास ऐसा स्थानीय नेतृत्व नहीं बचा, जो लड़ाई को जमीन पर मजबूती से खड़ा कर सके।

ऐसे में सवाल उठता है कि मायावती फिर ब्राह्मण कार्ड क्यों खेल रही हैं? इसकी सबसे बड़ी वजह है राजनीतिक जमीन की तलाश। आज यूपी की राजनीति दो बड़े खेमों – भाजपा और सपा – में बंटी हुई है। कांग्रेस का दायरा सीमित है और बसपा लगातार सिकुड़ रही है। मायावती को लगता है कि अगर उन्हें वापसी करनी है, तो कोई बड़ा सामाजिक समीकरण खड़ा करना होगा। सिर्फ दलित वोट के भरोसे सत्ता तक पहुंचना अब संभव नहीं दिखता। यहीं से फिर ब्राह्मण-दलित फॉमूर्ले की चर्चा शुरू होती है।

लेकिन क्या ब्राह्मण समाज आज बसपा के साथ आने की स्थिति में है? 2007 में ब्राह्मणों का एक हिस्सा समाजवादी पार्टी से दूरी बनाकर बसपा की तरफ आया था, क्योंकि उन्हें कानून-व्यवस्था और राजनीतिक प्रतिनिधित्व चाहिए था। उस दौर में भाजपा सत्ता की मुख्य दावेदार नहीं थी। लेकिन 2014 के बाद भाजपा ने उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण वोट बैंक पर जबरदस्त पकड़ बना ली।

2014 लोकसभा चुनाव, 2017 विधानसभा चुनाव, 2019 लोकसभा चुनाव और 2022 विधानसभा चुनाव। हर चुनाव में ब्राह्मणों का बड़ा हिस्सा भाजपा के साथ खड़ा दिखाई दिया। उरऊर और अन्य पोस्ट-पोल सर्वे बताते हैं कि 2022 में भी लगभग 80 प्रतिशत ब्राह्मण वोट भाजपा गठबंधन को मिला। जबकि बसपा ने बड़ी संख्या में ब्राह्मण उम्मीदवार उतारे और ह्लप्रबुद्ध वर्ग सम्मेलनह्व भी किए, लेकिन उसे जमीन पर समर्थन नहीं मिला।

आज ब्राह्मण वोटर किन आधारों पर वोट करता है? पहला, सत्ता के करीब कौन है। दूसरा, हिंदुत्व की राजनीति में कौन मजबूत है। तीसरा, स्थिर सरकार कौन दे सकता है। इन तीनों पैमानों पर फिलहाल भाजपा मजबूत दिखाई देती है।तो क्या मायावती सिर्फ सांकेतिक राजनीति कर रही हैं या उनके पास कोई गहरी रणनीति है?मायावती अच्छी तरह समझती हैं कि अगर बसपा को राजनीतिक रूप से जिंदा रखना है, तो उसे सिर्फ ह्लदलित पार्टीह्व की छवि से बाहर आना होगा। यही वजह है कि वे ह्लसर्वजनह्व लाइन की तरफ लौटती दिखाई दे रही हैं। ब्राह्मण सम्मेलन उसी रणनीति का हिस्सा हैं।

दूसरी चुनौती दलित वोट बैंक की है। बसपा की सबसे बड़ी ताकत दलित वोट था, खासकर जाटव समुदाय। लेकिन पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने गैर-जाटव दलितों में बड़ी सेंध लगाई है। पासी, वाल्मीकि, कोरी, धोबी जैसे कई समुदाय भाजपा की तरफ गए। वजह सिर्फ हिंदुत्व नहीं थी। केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं – मुफ्त राशन, उज्ज्वला, आवास और शौचालय जैसी योजनाओं – का भी बड़ा असर रहा। यानी भाजपा ने सिर्फ सवर्ण राजनीति नहीं की, बल्कि सामाजिक विस्तार भी किया। और यही मायावती की सबसे बड़ी मुश्किल है।

अगर दलित वोट बैंक बिखर रहा हो और ब्राह्मण वोट पहले से भाजपा के साथ हो, तो नया सोशल इंजीनियरिंग मॉडल खड़ा कैसे होगा?

हीटवेव का खतरा और ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी:45 डिग्री के पार तापमान, संकट में जनजीवन

सुनील कुमार महला

आज ग्लोबल वार्मिंग का दौर है और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम का सामान्य बदलाव नहीं रह गई है, बल्कि यह एक गंभीर आपदा का रूप ले चुकी है।

कहना गलत नहीं होगा कि लगातार बढ़ता तापमान, हीटवेव और जल संकट लोगों के स्वास्थ्य, कामकाज और दैनिक जीवन पर गहरा असर डाल रहे हैं। खासकर उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म शहर माना गया, जहां तापमान लगभग 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसके अलावा महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी क्षेत्र भी अत्यधिक गर्मी के कारण चर्चा में रहा, जहां तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर और बाड़मेर, हरियाणा के सिरसा और रोहतक, तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और झांसी जैसे शहर भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी और हीटवेव का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम होती हरियाली और बढ़ता प्रदूषण माना जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य, जल संकट और सामान्य जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

बढ़ती गर्मी के कारण दिन के समय सड़कों पर सन्नाटा दिखाई देने लगा है और आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मजदूर, किसान, रिक्शा चालक और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक परेशान हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों में डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, हीट स्ट्रोक और अन्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

पाठक जानते होंगे कि भारत इस समय दुनिया के सबसे गर्म देशों में शामिल हो गया है। देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी सामान्य से अधिक गर्मी का सामना कर रही है। हर साल बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि एक बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। अस्पतालों में गर्मी से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और अधिक खतरनाक बन गई है। इसी गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक में सभी मंत्रालयों को हीटवेव से लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ आम नागरिकों से भी मिलकर काम करने की अपील की है, ताकि गर्मी से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

देश के अधिकांश शहर पहले से ही प्रदूषण, कम हरियाली और खराब शहरी योजना जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। महानगरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल, वाहनों की अधिकता और बढ़ती आबादी के कारण गर्मी और अधिक महसूस होती है। शहरों में पेड़ों की कटाई और खुले स्थानों की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। गांवों की तुलना में शहरों में तापमान अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। यही कारण है कि लोग रात के समय भी गर्मी से राहत महसूस नहीं कर पा रहे हैं। ये शहर देश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए लोगों का बाहर निकलना और काम करना जरूरी होता है, जिसके कारण वे हीटवेव का सबसे ज्यादा प्रभाव झेलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की गर्मी से होने वाली मौतों में तेजी से वृद्धि हुई है। वास्तव में, गर्मी का असर केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव जल संकट, खेती और बिजली व्यवस्था पर भी दिखाई दे रहा है। कई क्षेत्रों में जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है और लोगों को पीने के पानी के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ रही है। नदियां, तालाब और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। किसानों के लिए भी यह समय बेहद कठिन बनता जा रहा है, क्योंकि अत्यधिक गर्मी फसलों की उत्पादकता को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर बढ़ती गर्मी के कारण बिजली की मांग तेजी से बढ़ रही है, जिससे कई क्षेत्रों में बिजली कटौती की समस्या भी सामने आ रही है।

अब आवश्यकता इस बात की है कि गर्मी को उतनी ही गंभीरता से लिया जाए, जितनी बाढ़, भूकंप या तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं को दी जाती है। हीटवेव को भी राष्ट्रीय आपदा की तरह समझने और उससे निपटने के लिए व्यापक तैयारी करने की जरूरत है। लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचना चाहिए, अधिक पानी पीना चाहिए और जरूरतमंद लोगों, पशु-पक्षियों तथा बुजुर्गों की सहायता करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने भी लोगों से अपील की है कि वे गर्मी से होने वाली समस्याओं को नजरअंदाज न करें और दूसरों की मदद के लिए आगे आएं।

साइमन स्टील के अनुसार, बढ़ती गर्मी की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में हालात और अधिक कठिन हो सकते हैं। इसलिए सरकारों और समाज को मिलकर दीर्घकालिक तैयारी करनी होगी। शहरों में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और प्रदूषण कम करने जैसे कदम बेहद जरूरी हैं। साथ ही सस्ती और निरंतर बिजली उपलब्ध कराना भी आवश्यक है, ताकि लोग अत्यधिक गर्मी से राहत पा सकें।

सुखद है 200 वर्षों का हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर।

यह कहना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विशेष जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई।यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है।

हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल द्वारा प्रथम हिन्दी समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड के प्रकाशन के साथ हुई थी, जिसका अर्थ था समाचार सूर्य। उस समय अंग्रेजी, फारसी और बांग्ला में कई समाचारपत्र निकल रहे थे किन्तु हिन्दी का पहला समाचारपत्र उदन्त मार्तण्ड 30 मई 1826 को कलकत्ता से पहली बार प्रकाशित हुआ था, जो साप्ताहिक के रूप में आरंभ किया गया था। पहली बार उसकी केवल 500 प्रतियां ही छापी गई थी लेकिन चूंकि कलकत्ता में हिन्दी भाषियों की संख्या काफी कम थी और इसके पाठक कलकत्ता से बहुत दूर के भी होते थे, इसीलिए संसाधनों की कमी के कारण यह लंबे समय तक प्रकाशित नहीं हो पाया। 4 दिसम्बर 1826 से उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन बंद कर दिया गया लेकिन इस समाचारपत्र के प्रकाशन के साथ ही हिन्दी पत्रकारिता की ऐसी नींव रखी जा चुकी थी कि उसके बाद से हिन्दी पत्रकारिता ने अनेक आयाम स्थापित किए हैं। उदन्त मार्तण्ड के बाद अंग्रेजी शासनकाल में अनेक हिन्दी समाचारपत्र व पत्रिकाएं एक मिशन के रूप में निकलते गए किन्तु ब्रिटिश शासनकाल की ज्यादतियों के चलते उन्हें लंबे समय तक चलाते रहना बड़ा मुश्किल था, फिर भी कुछ पत्र-पत्रिकाओं ने सराहनीय सफर तय किया।

अब परिस्थितियां बिल्कुल बदल

कलम की चेतना से डिजिटल युग तक हिन्दी पत्रकारिता की गौरव गाथा

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

खींचो न कमानों को, न तलवार निकालो,जब तोप मुकाबिल हो तो अखबार निकालो।अकबर इलाहाबादी की यह प्रसिद्ध पंक्ति केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि भारतीय पत्रकारिता की आत्मा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस उस चेतना,संघर्ष और वैचारिक शक्ति का प्रतीक है जिसने भारत के जनमानस को जागृत किया, स्वतंत्रता आंदोलन को जनांदोलन बनाया और लोकतंत्र को मजबूत आधार प्रदान किया।भारत की आत्मा उसकी भाषाओं में बसती है और उन भाषाओं की चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का सबसे प्रभावशाली माध्यम पत्रकारिता रही है।हिन्दी पत्रकारिता केवल समाचारों का संसार नहीं, बल्कि यह भारत की सामाजिक चेतना,सांस्कृतिक अस्मिता,राष्ट्रीय स्वाभिमान और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीवंत धारा है।हिन्दी पत्रकारिता दिवस केवल एक तिथि नहीं,बल्कि उस ऐतिहासिक यात्रा का स्मरण है जिसमें कलम ने सत्ता से प्रश्न पूछे, समाज को दिशा दी और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।30 मई 1826 का वह ऐतिहासिक दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है,जब पंडित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी के प्रथम समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन प्रारंभ किया। उस समय अंग्रेजी शासन का दौर था।संसाधनों का अभाव, आर्थिक कठिनाइयां और हिन्दी भाषियों तक समाचार पहुंचाने की सीमित व्यवस्था जैसी अनेक बाधाएं थीं,लेकिन राष्ट्रभाषा के प्रति समर्पण इतना प्रबल था कि विपरीत परिस्थितियों में भी हिन्दी पत्रकारिता का दीप प्रज्वलित हुआ। यही दीप आगे चलकर जनचेतना की मशाल बन गया।

हिन्दी पत्रकारिता की प्रारंभिक यात्रा संघर्षों से भरी रही।आर्थिक संकट,सरकारी उपेक्षा और तकनीकी अभाव के बावजूद हिन्दी समाचार पत्रों ने समाज को नई दिशा देने का कार्य किया। बनारस अखबार,हिन्दी प्रदीप,कवि वचन सुधा, भारत मित्र, सरस्वती और प्रताप जैसे पत्रों ने राष्ट्रीय चेतना को जागृत किया। उस समय पत्रकारिता व्यवसाय नहीं,बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम थी।पत्रकार अपनी लेखनी के माध्यम से अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आवाज उठाते थे और समाज में शिक्षा, स्वाभिमान तथा स्वतंत्रता की भावना का संचार करते थे।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक,गणेश शंकर विद्यार्थी,बाबूराव विष्णु पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और महात्मा गांधी जैसे महान पत्रकारों एवं विचारकों ने अपनी लेखनी को राष्ट्रहित के लिए समर्पित कर दिया। गणेश शंकर विद्यार्थी का प्रताप केवल समाचार पत्र नहीं था,बल्कि अन्याय के विरुद्ध संघर्ष की आवाज था।बाबूराव विष्णु पराड़कर ने हिन्दी पत्रकारिता को वैचारिक गंभीरता और सामाजिक उत्तरदायित्व प्रदान किया।महात्मा गाँधी ने पत्रकारिता को जनसेवा का माध्यम माना और सत्य,नैतिकता तथा जनहित को पत्रकारिता का मूल आधार बनाया।उस दौर की पत्रकारिता मिशन की पत्रकारिता थी।पत्रकार सत्ता के गलियारों में नहीं,बल्कि जनता के बीच खड़े दिखाई देते थे।लेखनी जेल गई,अखबार बंद हुए,मुकदमे चले, लेकिन कलम झुकी नहीं।

सत्य लिखना यदि अपराध है,
तो यह अपराध बार-बार होगा।
यह भावना उस समय की पत्रकारिता की पहचान थी।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिन्दी पत्रकारिता ने राष्ट्र निर्माण में नई भूमिका निभाई।गाँव,गरीब, किसान,मजदूर,श्रमिक और आम नागरिक की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया।रेडियो, दूरदर्शन और बाद में उपग्रह चैनलों के आगमन ने पत्रकारिता के स्वरूप को व्यापक बनाया।

हिन्दी समाचार पत्रों का प्रसार गांवों

बकरीद पर कुबार्नी के वक्त सूर्या की हत्या का आरोपित असद एनकाउंटर में ढेर, कांस्टेबल जख्मी

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में खोड़ा कॉलोनी इलाके में बकरीद के दिन 11वीं क्लास के छात्र सूर्या चौहान की धारदार हथियार से हमला कर हुई हत्या के मामले मे फरार मुख्य आरोपी असद को पुलिस ने आज सुबह एनकाउंटर में ढेर कर दिया। गाजियाबाद पुलिस द्वारा असद पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस एनकाउंटर में एक पुलिस कॉन्स्टेबल भी गोली लगने से घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने बताया कि 28 मई को असद और और उसके साथियों ने सूर्या चौहान (17 वर्ष) की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के परिवार द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने खोड़ा थाने में हत्या सहित संबंधित धाराओं में 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में शनिवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि मुख्य आरोपी असद फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। आज सुबह को पुलिस टीम को सूचना मिली कि असद खोड़ा पुलिस थाना क्षेत्र में अपने कुछ दोस्तों से मिलने जा रहा है और उनसे कुछ पैसे लेकर भागने की योजना बना रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस जगह-जगह बैरियर लगाकर पूरे इलाके में सघन तलाश शुरू कर दी। इसी बीच असद और उसका एक दोस्त बाइक पर आते हुए दिखाई दिए। पुलिसकर्मियों ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई। इसमें एक गोली असद को लग गई। असद को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।
डीसीपी ने बताया कि इस गोलीबारी के दौरान एक पुलिस कॉन्स्टेबल भी घायल हो गया और उसे भी अस्पताल ले जाया गया है। असद की बाइक बरामद कर ली गई है और जिस पिस्तौल से उसने गोली चलाई थी, वह भी बरामद कर ली गई है।
पुलिस पूरी घटना की गहन जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।
सूर्या की मां सरोज ने कहा कि मैं असद की फोटो देखना चाहती हूं। फोटो देखने के बाद ही मुझे तसल्ली मिलेगी। बाकियों का एनकाउंटर भी इसी तरह होना चाहिए। सात लोगों ने मेरे बेटे के साथ ऐसा किया, सभी के घरों पर बुलडोजर चलना चाहिए।सूर्या चौहान के पड़ोसी अंकित ने कहा कि यह अच्छी बात है कि एनकाउंटर हो गया है, लेकिन अब आगे की मांगें भी पूरी होनी चाहिए और उन छह लोगों का भी एनकाउंटर होना चाहिए। हमारी मांग है कि सभी छह लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाया जाए, उनके घरों को ढहा दिया जाए और उनकी सारी संपत्ति जब्त कर ली जाए।
गौरतलब है कि 28 मई को खोड़ा कॉलोनी के नवनीत विहार कॉलोनी में रहने वाले सूर्य चौहान (17) को गम्भीर हालत में एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन नाजुक हालत के कारण उसे नोएडा के एक निजी अस्पताल शिफ्ट कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्मकुमारीज ने दिलाया संकल्प, नशा छोड़ें-स्वस्थ जीवन से जुड़ें

मीरजापुर।
विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को शुक्लहा स्थित ब्रह्मकुमारीज मीरजापुर के प्रभु उपहार भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवा केंद्र से जुड़े सैकड़ों भाई-बहनों एवं माताओं ने भाग लेते हुए तंबाकू एवं अन्य सभी प्रकार के नशों से दूर रहने का संकल्प लिया।
कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवा केंद्र प्रभारी बीके बिंदु दीदी ने कहा कि तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि नशे की लत के कारण हर वर्ष लाखों लोग गंभीर बीमारियों का शिकार होकर असमय मृत्यु का सामना करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं नशामुक्त रहकर दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।

उन्होंने उपस्थित लोगों को व्यसनमुक्त जीवन अपनाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई। बीके बिंदु दीदी ने कहा कि स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली ही सुखी जीवन का आधार है तथा नशे से दूरी बनाकर ही समाज को बेहतर दिशा दी जा सकती है।
इस दौरान उपस्थित सभी भाई-बहनों एवं माताओं ने संकल्प लिया कि वे किसी भी प्रकार का व्यसन नहीं करेंगे और अपने परिवार व समाज को भी नशामुक्त बनाने में सहयोग करेंगे।
कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तंबाकू एवं अन्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, सुखी एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

उप्र में कई विश्वविद्यालयों के कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक बदले

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में लगातार प्रशासिनक तबादले हो रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार रात को विश्वविद्यालयों के छह कुल सचिव और परीक्षा नियंत्रक, तीन उप कुल सचिवों और पांच सहायक कुल सचिव के स्थानांतरण हुए हैं। इस संबंध सयुंक्त सचिव शकील अहमद सिद्दीकी की ओर से पत्र जारी किए गए हैं।
कुलसचिव/ परीक्षा नियंत्रकों की तैनाती में मीरजापुर के मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक महेंद्र कुमार को कुल सचिव, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के कुलसचिव हरीश चंद्र को मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर का परीक्षा नियंत्रक बनाया है। मुरादाबाद के गुरूजम्भेश्वर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक अमृत लाल को आजमगढ़ के महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के कुल सचिव, जौनपुर के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय कुल सचिव केशलाल को भदोही के काशी नरेश विश्वविद्यालय का परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया है। इसके अलावा महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह को मुरादाबाद के गुरूजम्भेश्वर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक और मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुल सचिव अनिल कुमार यादव को परीक्षा नियंत्रक महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली बनाया है।
उप कुल सचिवों में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर नगर में तैनात प्रमोद कुमार मिश्रा को डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा, कैलाश बिंद को डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा से छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर नगर और सुनील कुमार सरोज को मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर संप्रति सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर से गुरूजम्भेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद में नियुक्ति मिली है।
सहायक कुल सचिव में मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर में तैनात सत्येंद्र अग्रवाल को डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या भेजा गया है।

खेलों को हर व्यक्ति तक पहुंचाना एथ्जी का लक्ष्य : अर्जुन गुप्ता

कानपुर।
शहर की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। एथ्जी के माध्यम से विभिन्न खेलों को मंच प्रदान किया जा रहा है, ताकि युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। यह बातें एथ्जी के संस्थापक अर्जुन गुप्ता ने पिकलबॉल प्रतियोगिता के दौरान कहीं।
खेलों को अधिक सुलभ बनाने और युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से खेल समुदाय

मंच एथ्जी द्वारा पिकलबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।
अर्जुन गुप्ता ने बताया कि उनकी संस्था विभिन्न प्रकार के खेलों को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। इसी क्रम में पिकलबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई है। उन्होंने बताया कि पिकलबॉल टेनिस से मिलता-जुलता खेल है, लेकिन इसके नियम और खेलने की शैली कुछ अलग होती है। संस्था का उद्देश्य कानपुर की प्रतिभाओं को आगे लाकर उन्हें बड़े मंच उपलब्ध कराना है।
उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 151 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया है। टूनामेंट का समापन रविवार को होगा। विजेता टीम को 10 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि दी जाएगी। साथ ही अन्य प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाएगा।
संस्था के सह-संस्थापक माधव महाना ने कहा कि एथ्जी में पुरुषों के साथ-साथ महिला खिलाड़ियों को भी विशेष अवसर दिए जा रहे हैं। महिला सशक्तिकरण केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि खेल, शिक्षा और नेतृत्व के हर क्षेत्र में उनकी भागीदारी बढ़ाई जानी चाहिए।
उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। कानपुर की महापौर और देश की राष्ट्रपति महिला हैं। ऐसे में खेलों में भी महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराना जरूरी है। संस्था भविष्य में महिला खिलाड़ियों के लिए विशेष प्रतियोगिताएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा में भी काम करेगी।
यह आयोजन महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक सतीश महाना के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हो रहा है।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर मद्यनिषेध विभाग ने निकाली जन जागरूकता रैली

लखनऊ।
"नशा मुक्त भारत अभियान" के तहत "विश्व तम्बाकू निषेध दिवस" के अवसर पर रविवार को मद्य निषेध विभाग द्वारा तम्बाकू एवं गुटखा जनित नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली बीमारियों एवं दुष्परिणामों के प्रति जन जागरुकता हेतु एक रैली निकाली गयी।
यह जागरूकता रैली रविवार की सुबह मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, 27 अशोक मार्ग, लखनऊ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से जीपीओ पार्क स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा तक आयोजित की गई। इस रैली का उद्देश्य लोगों में सभ्य और स्वस्थ्य जीवन शैली को बढ़ावा देना, उनके जीवन स्तर में सुधार लाना और तम्बाकू व गुटखा के हानिकारक प्रभावों और इससे होने वाली बीमारियों के खतरे के बारे मे संदेश देना था। इस तम्बाकू निषेध रैली में राज्य मद्यनिषेध विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक स्वैच्छिक संस्थाओं के कार्यकर्ता सहित लगभग 300 लोग उपस्थित रहे।

मासूम की जमीन पर पटककर हत्या, हत्यारोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, गोली लगी

फिरोजाबाद।
थाना शिकोहाबाद क्षेत्र अन्तर्गत शनिवार को विवाहिता से शादी करने की जिद में रिश्ते के देवर ने विवाहिता के मासूम पुत्र की जमीन पर पटककर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल अभियुक्त को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।
थाना अरांव क्षेत्र अन्तर्गत रहने वाली रति नामक महिला की ससुराल बदायूं जनपद में है। महिला का अपने पति से विवाद चल रहा है इस कारण महिला कुछ समय से अपने मायके में रह रही है। शनिवार को रति अपने डेढ़ वर्षीय बेटे के साथ थाना शिकोहाबाद क्षेत्र अन्तर्गत अपने एक रिश्तेदार के यहां आई थी। आरोप है कि तभी महिला के रिश्ते का देवर विराज उर्फ जितेंद्र वहां पहुंच गया और वह बच्चे को टॉफी दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया। आरोप है जहां उसने जमीन पर पटककर मासूम की हत्या कर दी। घटना के बाद वह बच्चे के शव को नाली में फेंककर फरार हो गया। महिला का आरोप है कि युवक जबरन शादी का दबाव बना रहा था। इसी के चलते उसने उसके बच्चे की हत्या की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी की तलाश शुरू कर दी।

रंग ला रही युवाओं की मेहनत, करवन नदी की जांच करने पहुंची टीम

हाथरस।
सादाबाद कस्बे में करवन नदी को पुनर्जीवित करने का स्थानीय युवाओं का अभियान अब गति पकड़ रहा है। पिछले लगभग एक पखवाड़े से युवाओं की एक टीम नदी की सफाई, सौंदर्याकरण और संरक्षण के लिए लगातार श्रमदान कर रही है। इस पहल को एकमतेज फाउंडेशन का सहयोग मिल रहा है, और वरिष्ठ बसपा नेता डॉ. अविन शर्मा भी इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।
तीन दिन पहले डॉ. अविन शर्मा ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर करवन नदी की खराब स्थिति पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर शनिवार को विभिन्न विभागों की एक संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर नदी का निरीक्षण किया। निरीक्षण टीम में परियोजना निदेशक डीआरडीए राजेश कुमार कुरील, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता चंद्र मोहन और सहायक अभियंता हैदर अली शामिल थे।
अधिकारियों ने करवन नदी में फैली गंदगी, जल निकासी व्यवस्था और नालों से नदी में आ रहे दूषित जल का गहन अवलोकन किया। टीम ने नदी के दोनों किनारों और पुल के आसपास के क्षेत्रों का भी निरीक्षण किया। युवाओं की टीम ने अधिकारियों को अपने प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तृत योजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि बिजलीघर मार्ग स्थित मोक्षधाम से लेकर भगत सिंह कॉलोनी के पीछे तक लगभग 1200 मीटर लंबे क्षेत्र में सफाई अभियान चलाकर गंदगी को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य है। इसके साथ ही, नदी के दोनों किनारों पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर क्षेत्र को हरित पट्टी के रूप में विकसित करने की योजना है।

करंट लगने से प्रयागराज में दो मजदूरों की मौत

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित कर्नलगंज थाना क्षेत्र के न्यू मम्फोर्डगंज स्थित लालापट्टी मोहल्ले में शनिवार को दो मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। मकान की दूसरी मंजिल पर डेकोरेशन कार्य के दौरान एल्यूमिनियम का पाइप 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया, जिससे दोनों मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि कर्नलगंज थाना क्षेत्र के लालापट्टी मोहल्ले में निमार्णाधीन मकान की दूसरी मंजिल पर डेकोरेशन और कारपेंट्री का कार्य चल रहा था।

असेवा में श्रीमद्भागवत कथा के समापन पर भव्य रामलीला का मंचन, राम-केवट संवाद ने भाव-विभोर किए श्रद्धालु

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सदर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम असेवा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के समापन समारोह के उपरांत शनिवार रात्रि भव्य रामलीला का मंचन किया गया। रामलीला में प्रस्तुत राम-केवट संवाद ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। देर रात तक चले इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान श्रीराम के आदर्शों का श्रवण और दर्शन किया।
रामलीला के दौरान कलाकारों ने

भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण के वनगमन प्रसंग का सजीव मंचन किया। कथा के अनुसार अयोध्या से वनवास के लिए निकले भगवान श्रीराम, माता सीता और भ्राता लक्ष्मण गंगा तट पर पहुंचते हैं तथा गंगा पार कराने के लिए केवट से निवेदन करते हैं। इस दौरान राम और केवट के बीच हुआ संवाद अत्यंत मार्मिक और भक्तिभाव से ओतप्रोत रहा। केवट द्वारा प्रभु के चरण धोने की विनती तथा उसके पीछे छिपी श्रद्धा और समर्पण की भावना को कलाकारों ने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।
रामलीला के इस प्रसंग को देखकर श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। कई दर्शक भगवान श्रीराम के प्रति केवट की निस्वार्थ भक्ति और सेवा भाव की सराहना करते नजर आए। मंचन के दौरान कलाकारों के अभिनय, संवाद अदायगी और धार्मिक वातावरण ने पूरे आयोजन को भक्तिमय बना दिया।
आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के समापन अवसर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत रामलीला का आयोजन किया गया था। इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति, मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों तथा सनातन धर्म की महान परंपराओं से परिचित कराना है।
कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण की आरती में भाग लेकर सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

जौनपुर नगर पालिका बोर्ड बैठक में विकास प्रस्तावों पर लगी मुहर, बजट अगली बैठक तक टला

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक शनिवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। बैठक में नगर विकास से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों और कार्ययोजनाओं पर चर्चा के बाद उन्हें सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। हालांकि बजट को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका और इसे अगली बैठक तक के लिए स्थगित कर दिया गया।
गौरतलब है कि यह बैठक शुक्रवार को नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्य की अध्यक्षता में बुलाई गई थी, लेकिन अध्यक्ष और सभासदों

के बीच समन्वय की कमी के चलते बैठक स्थगित करनी पड़ी थी। शनिवार को दोबारा आयोजित बैठक में सभी पक्षों के बीच सहमति बनने के बाद कार्यवाही सुचारू रूप से संपन्न हुई।बैठक में शहर के विकास, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, कर प्रणाली एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा की गई। सभासदों ने विकास कार्यों के प्रति अपनी सहमति जताते हुए नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।सभासदों ने कहा कि नगर पालिका परिषद द्वारा कर व्यवस्था, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट और अन्य आवश्यक सेवाओं को बेहतर ढंग से संचालित किया जाएगा, जिससे उनके वार्डों की जनता को अधिक सुविधाएं मिल सकें।नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मनोरमा मौर्य ने बताया कि सभी सभासदों की सहमति से विभिन्न विकास प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है और उन पर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रेमी से विवाद के बाद विवाहिता ने खाया विषाक्त पदार्थ, कोतवाली पहुंची

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में स्थित शाहगंज कोतवाली अंतर्गत प्रेम संबंधों में उपजे विवाद के बाद एक विवाहिता ने विषाक्त पदार्थ सेवन करने का मामला शनिवार रात सामने आया। महिला की हालत बिगड़ने पर पुलिस की तत्परता से उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है।
कोतवाली क्षेत्र के सबरहद गांव निवासी महिला अपने पति और दो बच्चों के साथ अजमेर में रहती है।परिजनों का कहना है कि यहां पर रहे एक रिश्तेदार से महिला की नजदीकियां हो गई थीं। कुछ दिनों पहले वह अपने पैतृक गांव जौनपुर आई हुई थी। शनिवार को फोन पर महिला अपने प्रेमी से बात कर रही थी, इस दौरान दोनों में विवाद हो गया। इसके बाद मानसिक तनाव में आकर उसने कथित रूप से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। घटना के बाद वह स्वयं शाहगंज कोतवाली पहुंची, जहां उसकी तबीयत अचानक बिगड़ने लगी।
महिला की गंभीर हालत को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह ने तत्काल महिला पुलिसकर्मी की सहायता से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने स्थिति गंभीर बताते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया। बाद में उसे नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रेलवे क्रासिंग बैरहना में 8 .30 करोड़ की लागत से बनेगा अंडरपास, यातायात ढांचे को मिलेगी नई मजबूती : गणेश केसरवानी

प्रयागराज।
शहरी विकास और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मालकराज रेलवे क्रॉसिंग पर बनने वाले अंडरपास का शनिवार को भूमि पूजन किया गया। करीब 8.30 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह अंडरपास बहराना और इंद्रपुरी कॉलोनी को सीधे मालकराज क्षेत्र से जोड़ेगा, जिससे हजारों नागरिकों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।
भूमि पूजन कार्यक्रम में महापौर गणेश केसरवानी, शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेई और क्षेत्रीय पार्षद आकाश सोनकर

बबलू प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों ने इसे क्षेत्र के विकास और नागरिक सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।
महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि नगर निगम प्रयागराज शहर को आधुनिक, सुगम और बेहतर बुनियादी सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाला, प्रकाश व्यवस्था और यातायात सुधार से जुड़ी कई विकास परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं और मालकराज अंडरपास भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।
उन्होंने कहा कि रेलवे फाटक बंद होने के दौरान लोगों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता है, जिससे जाम और समय की बबार्दी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। अंडरपास बनने के बाद नागरिकों को निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा।
विधायक हर्षवर्धन बाजपेई ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करेगी।
वहीं पार्षद आकाश सोनकर बबलू ने कहा कि अंडरपास के निर्माण से स्थानीय विकास को नई गति मिलेगी और नागरिकों का दैनिक जीवन अधिक सुविधाजनक बनेगा।
इस परियोजना से न केवल यातायात सुचारु होगा, बल्कि एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड जैसी आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही भी तेज और सुरक्षित हो सकेगी। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात बताया।
कार्यक्रम में अमर सिंह, मृत्युंजय तिवारी, सनी सोनकर, शिवेंद्र मिश्रा, हिमालय सोनकर, सीमा सागर, मंजू देवी, मीनू पाण्डेय, आशीष गौतम, विनय मिश्रा, राधिका, मिथुन सोनकर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, रेलवे एवं नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।
शहर के बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए मालकराज अंडरपास परियोजना को एक दूरदर्शी कदम माना जा रहा है, जो प्रयागराज को अधिक सुगम, सुरक्षित और आधुनिक शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सरकारी तेल कंपनियों को 30 दिन का एलपीजी बैकअप रखने का आदेश

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और होर्मुज में फंसे जहाज भी चुनौती

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव के मद्देनजर भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने में जुट गया है। केंद्र सरकार ने सरकारी तेल कंपनियों को आपात स्थिति से निपटने के लिए कम से कम 30 दिनों का एलपीजी रिजर्व स्टॉक तैयार रखने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कच्चे तेल का अतिरिक्त भंडार बनाने पर भी काम जारी है, ताकि किसी भी संकटकाल में देश में गैस या ईंधन की किल्लत न हो। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा जारी इस निर्देश का उद्देश्य देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ाना है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं; फरवरी के 69.01 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर मई में यह 106.83 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इस भारी उछाल से भारतीय तेल कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 550 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, जिसका सीधा परिणाम पिछले 10 दिनों में पेट्रोल और डीजल में करीब 7.5 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि के रूप में सामने आया है। वर्तमान में भारत की दैनिक एलपीजी मांग लगभग 72,000 मीट्रिक टन है, जबकि घरेलू रिफाइनरियां प्रतिदिन 52,000 मीट्रिक टन का उत्पादन कर रही हैं। शेष आवश्यकता को पूरा करने के लिए रिफाइनरियों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। उधर, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ते तनाव ने भी चिंता बढ़ा दी है, जहाँ भारत के 13 जहाज, जिनमें 1 एलपीजी कैरियर और 5 कच्चे तेल के जहाज शामिल हैं, फंसे हुए हैं। पोत परिवहन मंत्रालय इन जहाजों की सुरक्षित वापसी पर लगातार नजर बनाए हुए है।

युद्ध के डर से बढ़ी उर्वरक बिक्री, बढ़ी आयात लागत

देश में यूरिया 10 फीसदी और डीएपी की बिक्री 39 फीसदी तक बढ़ी

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में युद्ध छिड़ने के बाद से भारतीय किसानों में उर्वरक की उपलब्धता को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं, जिसके चलते देश में यूरिया और डाई अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) की बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। खरीफ सम्मेलन में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, किसानों द्वारा घबराहट में की गई खरीद, अत्यधिक भंडारण और जमाखोरी के कारण मार्च से मई के बीच यूरिया की बिक्री में लगभग 10 फीसदी और डीएपी की बिक्री में लगभग 39 फीसदी का उछाल आया है। इसके साथ ही, युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरक आयात की लागत में भी भारी वृद्धि हुई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि युद्ध के बाद से यूरिया की दैनिक बिक्री सामान्य 40,000-45,000 टन से दोगुनी होकर लगभग 80,000-85,000 टन हो गई है। 1 मार्च से 25 मई के बीच उपभोक्ताओं ने कुल 50.5 लाख टन यूरिया और 12.4 लाख टन डीएपी खरीदी, जो पिछले साल की इसी अवधि से क्रमशः 4.5 लाख टन और 3.5 लाख टन अधिक है। मुख्य रूप से महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में यह अतिरिक्त खरीद देखी गई है। सरकार ने ऐसे 100 जिलों की पहचान की है जहां उर्वरक की बिक्री सामान्य से बहुत अधिक हुई है, जिन पर नजर रखी जा रही है। युद्ध ने उर्वरक लागत को भी बढ़ा दिया है। खाद कारखानों के लिए गैस की खरीद 70-80 प्रतिशत महंगी हुई है, जबकि 25 लाख टन आयातित यूरिया 112 प्रतिशत और 13.5 लाख टन आयातित डीएपी 38 प्रतिशत महंगा है। हालांकि, केंद्र सरकार ने बेहतर भंडारण के कदम उठाए हैं, जिससे खरीफ सीजन के लिए आवश्यक 390 लाख टन उर्वरक के मुकाबले देश में 200 लाख टन से अधिक का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

आरबीआई की विदेशी मुद्रा आय में रिकॉर्ड उछाल, पहुंचा 1.69 लाख करोड़

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से अपनी आय में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में करीब 52 प्रतिशत बढ़कर 1.69 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई।यह केंद्रीय बैंक के वित्तीय स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार का संकेत है। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में विदेशी मुद्रा लेनदेन से आरबीआई की आय 1.11 लाख करोड़ रुपये थी, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 में बड़ा उछाल देखा गया। इस अवधि में, आरबीआई का कुल बहीखाता आकार भी 15.72 लाख करोड़ रुपये बढ़कर रिकॉर्ड 91.97 लाख करोड़ रुपये हो गया। संपत्ति पक्ष पर यह वृद्धि मुख्य रूप से घरेलू निवेश (44.9त्र), स्वर्ण भंडार (63.8 फीसदी) और विदेशी निवेश (7.9 फीसदी) में हुई

बढ़ोतरी के कारण दर्ज की गई। आरबीआई का अधिशेष (सरप्लस) भी वित्त वर्ष 2025-26 में 6.7 प्रतिशत बढ़कर 2,86,588.46 करोड़ रुपये हो गया। जो पिछले वित्त वर्ष 2,68,590.07 करोड़ रुपये था। यह मजबूत वित्तीय प्रदर्शन देश की आर्थिक स्थिरता में आरबीआई की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

सोना एक हफ्ते में हजार और चांदी दो हजार रुपए से अधिक सस्ती

सोना 1,56,463 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,63,350 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी के दामों में इस हफ्ते उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के आंकड़ों के अनुसार सोना 1200 रुपए से अधिक और चांदी 2600 रुपए से अधिक सस्ते हुए हैं। इस गिरावट के पीछे वैश्विक अस्थिरता और महंगाई बढ़ने की आशंकाएं मुख्य वजह मानी जा रही हैं, जिससे खरीदारों के लिए यह एक अच्छा मौका बन गया है। इस हफ्ते 24 कैरेट सोने का दाम 1,257 रुपए कम होकर 1,56,463 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया, जो पहले 1,58,720 रुपए था। वहीं चांदी की कीमत में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली है, यह 2,650 रुपए सस्ती होकर 2,63,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। विभिन्न कैरेट के सोने में भी नरमी आई है, 22 कैरेट सोना अब 1,43,320 और 18 कैरेट सोना 1,17,347 रुपए प्रति 10 ग्राम पर उपलब्ध है।

आईआईएफसीएल का 2025-26 में मुनाफा घटकर 1,379 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने मुनाफे में 57 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की है, जो 1,379 करोड़ रुपए रहा। हालांकि, कंपनी ने इसी अवधि में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए रिकॉर्ड-तोड़ स्वीकृतियां और वितरण कर देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका को बनाए रखा है। वित्त वर्ष 2024-25 में 2,165 करोड़ रुपए के मुनाफे की तुलना में आईआईएफसीएल का लाभ उल्लेखनीय रूप से गिरा है। इसके बावजूद, कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में 57,680 करोड़ रुपए की अब तक की सर्वाधिक मंजूरी दी, जो पिछले वित्त वर्ष से लगभग 13 प्रतिशत अधिक है। आईआईएफसीएल के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि इस अवधि में वितरण भी 16 प्रतिशत बढ़कर 32,972 करोड़ रुपए हो गया, जिससे देश में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण को मजबूत गति मिली। 31 मार्च 2026 तक, आईआईएफसीएल का एकल आधार ऋण पोर्टफोलियो लगभग 17 प्रतिशत बढ़कर 81,715 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो कंपनी की बढ़ती पहुंच और बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है, भले ही उसके लाभ में कमी आई हो।

शेयर बाजार ने रिकॉर्ड उछाल से जोरदार गिरावट तक का तय किया सफर

सोमवार को 1000 अ धिक अंकों की रिकॉर्ड तेजी, सप्ताह के आ खिर में सेंसेक्स 76,488 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को एक अप्रत्याशित यात्रा का अनुभव हुआ, जो एक मजबूत शुरुआत के साथ शुरू होकर भारी गिरावट के साथ समाप्त हुई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों, अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के चलते शानदार तेजी के साथ हुई थी। हालांकि, यह उत्साह अल्पकालिक साबित हुआ, क्योंकि भू-राजनीतिक तनावों ने बाजार का रुख पूरी तरह बदल दिया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार ने रिकॉर्ड तोड़ मजबूती दर्ज की। सेंसेक्स 1,073.61 अंक उछलकर 76,488.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 312.40 अंक बढ़कर 24,031.70 पर पहुंच गया। बैंकिंग और ऑटो जैसे प्रमुख क्षेत्रों में खरीदारी ने इस तेजी को बल दिया, वहीं रुपये ने भी डॉलर के मुकाबले 35 पैसे की मजबूती दर्ज की। वैश्विक स्तर पर अमेरिका-ईरान वार्ता की उम्मीदें और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट इसका मुख्य कारण बनीं। हालांकि, यह सकारात्मक माहौल मंगलवार से बिगड़ना शुरू हो गया। वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और विशेष रूप से ईरान पर अमेरिकी हमलों के प्रभावों की आशंकाओं ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। मंगलवार को सेंसेक्स 479.26 अंक और निफ्टी 118.00 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। बुधवार को भी बाजार उतार-चढ़ाव भरा रहा और मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ,

सेंसेक्स 141.90 अंक और निफ्टी 6.55 अंक नीचे आए। गुरुवार को ईद के त्योहार के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहा। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार की सुबह बाजार में थोड़ी हरियाली दिखी, लेकिन यह ज्यादा देर टिक नहीं पाई। दिन भर हुई भारी बिकवाली के चलते बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 1,092.06 अंक टूटकर 74,775.74 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 359.41 अंक गिरकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। इस गिरावट के साथ निफ्टी ने 23,600 और 23,550 जैसे महत्वपूर्ण स्तरों को भी तोड़ दिया, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कुल मिलाकर, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने भारतीय बाजार के एक मजबूत सप्ताह की शुरुआत को भारी गिरावट में बदल दिया।

इंडिगो को 2,537 करोड़ का घाटा, विदेशी मुद्रा, ईंधन व युद्ध ने बढ़ाई मुश्किल

नई दिल्ली।

प्रमुख विमानन कंपनी इंडिगो ने वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में 2,536.9 करोड़ रुपए का समेकित घाटा दर्ज किया है। कंपनी ने इस घाटे के लिए विदेशी मुद्रा में हुए भारी नुकसान, विमानन ईंधन (एटीएफ) की बढ़ी हुई कीमतों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उड़ानों के रद्द होने को मुख्य वजह बताया है। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में एयरलाइन ने 3,067.5 करोड़ रुपए का लाभ कमाया था। एयरलाइन के अनुसार चौथी तिमाही में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में लगभग 5 फीसदी की कमजोरी आई, जिससे उसे 4,820 करोड़ रुपए का भारी विदेशी मुद्रा घाटा हुआ। मुख्य वित्तीय अधिकारी गौरव नेगी ने स्पष्ट किया कि यह मुख्य रूप से मार्क-टू-मार्केट नुकसान है, जो विमानों की लीज और रखरखाव से संबंधित भविष्य की देनदारियों से जुड़ा है। इसके अलावा पश्चिम एशिया युद्ध के कारण एयरलाइन को अंतरराष्ट्रीय उड़ानों (लगभग 160 दैनिक उड़ानें) को रद्द करना पड़ा, जिससे परिचालन पर नकारात्मक असर पड़ा। विमानन ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50 फीसदी और घरेलू स्तर पर 25-30 फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई, जिसका पूरा बोझ इंडिगो यात्रियों पर नहीं डाल सकी। कुल मिलाकर, तिमाही में इंडिगो का कुल खर्च 30.1 फीसदी बढ़कर 25,932.5 करोड़ रुपए हो गया, जबकि कुल आय केवल 3.2 फीसदी बढ़कर 23,830.7 करोड़ रुपए रही।

निर्यातकों को अब 'ट्रेड कनेक्ट' पर मिलेंगे डिजिटल मूल प्रमाण पत्र

1 जून 2026 से प्रभावी होगी व्यवस्था

नई दिल्ली ।

भारत और ओमान के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत निर्यात करने वाले भारतीय निर्यातकों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा शुरू की जा रही है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने घोषणा की है कि 1 जून 2026 से निर्यात के लिए आवश्यक 'मूलस्थान का तरजीही प्रमाणपत्र' 'ट्रेड कनेक्ट' नामक एकीकृत डिजिटल पोर्टल के माध्यम से जारी किया जाएगा। यह प्रमाणपत्र उन निर्यातकों के लिए अनिवार्य है जो व्यापार समझौतों के तहत ओमान में सीमा शुल्क रियायतों का लाभ उठाना चाहते हैं।

डीजीएफटी ने एक अधिसूचना में बताया कि 'ट्रेड कनेक्ट' भारतीय निर्यात के लिए मूलस्थान के सभी इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणपत्र जारी करने का एक एकीकृत डिजिटल मंच है। यह नई व्यवस्था 1 जून 2026 से भारत-ओमान व्यापार समझौते के प्रभाव में आने के साथ ही शुरू हो जाएगी। इस समझौते पर दिसंबर 2025 में हस्ताक्षर किए गए थे। यह कदम निर्यात प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने में सहायक होगा।

क्रिप्टो बाजार में भारी गिरावट

संस्थागत बिकवाली ने बिटकॉइन को 72,000 डॉलर के नीचे धकेला

नई दिल्ली ।

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में इन दिनों भारी उथल-पुथल देखी जा रही है। दुनिया की सबसे लोकप्रिय डिजिटल करेंसी बिटकॉइन, 72,000 डालर के अहम मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे फिसल गई है, जिसने निवेशकों और ट्रेडर्स के बीच खलबली मचा दी है। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह क्रिप्टो मार्केट से संस्थागत निवेशकों द्वारा अपना पैसा निकालना माना जा रहा है, जिसने बाजार के सेंटिमेंट को बुरी तरह प्रभावित किया है। स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ से आउटफ्लो बाजार में आई इस अचानक और तेज गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह स्पॉट बिटकॉइन से लगातार होने वाला भारी आउटफ्लो है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में इन ईटीएफ से करीब 2.8 बिलियन डॉलर का फंड बाहर निकाला जा चुका है। ब्लैकरॉक जैसे बड़े फंड्स से बड़े पैमाने पर हुई इस बिकवाली ने बाजार पर गहरा दबाव डाला है, जिससे बिटकॉइन के दाम तेजी से नीचे आ गए हैं। संस्थागत निवेशकों का यह कदम दर्शाता है कि वे फिलहाल जोखिम लेने से बच रहे हैं या मुनाफावसूली कर रहे हैं। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस गिरावट के पीछे सिर्फ संस्थागत बिकवाली ही नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, बढ़ती ब्याज दरें और बड़े निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली करना भी शामिल है। फिलहाल, ट्रेडर्स और आम निवेशकों को बाजार में अत्यधिक सावधानी

बरतने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब तक स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ में दोबारा बड़े पैमाने पर निवेश शुरू नहीं होता या बाजार में स्थिरता नहीं आती, तब तक अस्थिरता बनी रह सकती है।

एसबीआई ने फोनपे, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड नियमों में किया बड़ा बदलाव

नए नियम 1 जुलाई 2026 से प्रभावी

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने फोनपे एसबीआई कार्ड सेलेक्ट ब्लैक क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। बैंक ने इस कार्ड से जुड़े रिवॉर्ड पॉइंट्स प्रोग्राम के नियमों में बड़े बदलाव किए हैं, जो 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होंगे। इन संशोधनों से कार्डधारकों को मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स में कमी आएगी। अब ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन शॉपिंग पर मिलने वाले 5 फीसदी रिवॉर्ड पॉइंट्स की मासिक सीमा 2,000 से घटाकर 1,000 कर दी गई है।

इसके अतिरिक्त, टोल, ज्वेलरी, स्कूल/कॉलेज फीस, गिफ्ट्स और फोनपे ऐप के बाहर किए गए यूटिलिटी, इंश्योरेंस या यूपीआई ट्रांजैक्शन पर अब कोई रिवॉर्ड पॉइंट्स नहीं दिए जाएंगे।

फोनपे ऐप के जरिए यूटिलिटी, रिचार्ज या इंश्योरेंस पर कुल 2,000 रिवॉर्ड पॉइंट्स की मौजूदा लिमिट को भी विभाजित कर दिया गया है; अब इंश्योरेंस पर अधिकतम 500 और अन्य कैटेगरी पर अधिकतम 1,500 पॉइंट्स ही मिलेंगे। हालांकि, सामान्य खर्चों पर 1 फीसदी रिवॉर्ड पॉइंट्स, फ्यूल सरचार्ज वेवर, डोमेस्टिक एयरपोर्ट लाउंज एक्सेस (साल में 4 बार) और प्रायोरिटी पास मेंबरशिप जैसी सुविधाएं पहले की तरह ही मिलती रहेंगी। इस कार्ड की वार्षिक और रिन्यूअल फीस 1,499 रुपए है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अगले कुछ हफ्तों में होगा- राजदूत गोर

समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि दल अगले सप्ताह नई दिल्ली आएगा

नई दिल्ली ।

भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने हाल ही में घोषणा की है कि भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौता अगले कुछ हफ्तों और महीनों में अंतिम रूप ले लेगा और उस पर हस्ताक्षर हो जाएंगे। यह जानकारी उन्होंने यूएस-इंडिया ट्रस्ट इनिशिएटिव में अनुसंधान और नवाचार में साझेदारी को बढ़ावा देने के मुद्दे पर दी, जहां उन्होंने दोनों देशों के बीच नवाचार और निवेश से प्रेरित रणनीतिक साझेदारी पर भी जोर दिया। राजदूत गोर ने बताया कि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि की एक उच्चस्तरीय दल अगले सप्ताह नई दिल्ली पहुंच रहा है, ताकि व्यापार के अंतिम एक प्रतिशत पर चर्चा और निर्णय लिया जा सके। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका और भारत एक-दूसरे के सबसे बड़े व्यापार भागीदारों में बने हुए हैं। गोर ने कहा, महत्त्वपूर्ण बात यह है कि यह डिजिटल व्यापार और उन्नत विनिर्माण से लेकर ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियों तक, नवाचार, निवेश और उच्च-मूल्य वाले क्षेत्रों द्वारा तेजी से संचालित हो रहा है। उन्होंने बताया कि व्यापार में यह वृद्धि न केवल दोनों देशों की बड़ी कंपनियों को लाभ पहुंचा रही है, बल्कि स्टार्टअप्स और व्यक्तिगत उद्यमियों की भी मदद कर रही है। राजदूत गोर ने भारत की तकनीकी क्षमता की सराहना करते हुए कहा कि विशेष रूप से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों में तकनीकी नवाचार अगले दो, पांच और दस वर्षों में वैश्विक मंच पर दिखाई देगा, जिनमें से कुछ नवाचार दुनिया भर के लोगों के लिए जीवन बदलने वाले हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि महत्त्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां वैश्विक शक्ति संतुलन को नया आकार दे रही हैं और इस दिशा में नेतृत्व करने के लिए हमारे जैसी कोई बेहतर साझेदारी नहीं।

एनएफएचएस-6 में मोटापे-मधुमेह का बढ़ता बोझ, प्रगति के साथ चिंता

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 (एनएफएचएस-6) के ताजा आंकड़े भारत के बदलते स्वास्थ्य परिदृश्य की एक जटिल तस्वीर पेश करते हैं। जहां एक तरफ देश स्वास्थ्य बीमा कवरेज, टीकाकरण दरों और मातृत्व एवं बाल पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ठोस प्रगति कर रहा है, वहीं दूसरी ओर मोटापा और मधुमेह का बढ़ता प्रसार एक नई और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय बन गया है, जो कुपोषण और संचारी रोगों पर केंद्रित पुरानी व्यवस्था से गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की ओर एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि मोटापे का बढ़ता बोझ अब सार्वजनिक स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों दृष्टियों से चिंता का विषय है। शरीर का अत्यधिक वजन मधुमेह, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और कैंसर के बढ़ते जोखिम का एक प्रमुख कारक है। एनएफएचएस-5 (2019-21) और एनएफएचएस-6 (2023-24) के बीच मोटापे का प्रसार उल्लेखनीय रूप से बढ़ा है। 15 से 49 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं में मोटापे की शिकार महिलाओं का हिस्सा 24 फीसदी से बढ़कर 30.7 फीसदी हो गया है, जबकि पुरुषों में यह आंकड़ा 22.9 फीसदी से बढ़कर 27.3 फीसदी पर पहुंच गया है। इस सर्वेक्षण में 25 किग्रा/मीट या इससे अधिक के बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को अधिक वजन या मोटापा परिभाषित किया गया है।

इस बढ़ती चुनौती के बीच, देश में वजन घटाने के उपचार और मेटाबोलिक स्वास्थ्य सेवाओं की मांग तेजी से बढ़ी है। पिछले एक साल के दौरान इंजेक्टेबल जीएलपी-1 एगोनिस्ट जैसे मौनजारो, वेगोवी और ओजेम्पिक की बिक्री में 218 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है।

आईपीएल 2026 : आरसीबी और टाइटंस के बीच आज होगा खिताबी मुकाबला

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। अहमदाबाद (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के बीच खिताबी मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई है, जिसके चलते करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी हुई हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार का फाइनल हाल के वर्षों के सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक साबित हो सकता है।

आरसीबी लगातार दूसरे वर्ष फाइनल में पहुंची है और उसके पास लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का अच्छा अवसर है। कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में टीम ने पूरे सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। आरसीबी ने पहले क्वालिफायर में गुजरात टाइटंस को 92 रन के बड़े अंतर से हराकर सीधे फाइनल का टिकट हासिल किया था। उस मुकाबले में रजत पाटीदार की आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से टीम का मनोबल काफी बढ़ा है। आरसीबी के पास विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बल्लेबाज हैं किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त करने की क्षमता रखते हैं। वहीं ऑलराउंडर क्रुणाल पंड्या और रोमारियो शेफर्ड टीम को संतुलन प्रदान करते हैं। गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड का अनुभव आरसीबी की सबसे बड़ी ताकत माना जा रहा है, जबकि युवा स्पिनर सुयश शर्मा मध्य ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता रखते हैं। जिससे टीम खिताब जीतने की प्रबल दावेदार मानी जा रही है।

वहीं दूसरी ओर गुजरात टाइटंस भी किसी मायने में कम नहीं है। कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं और दूसरे क्वालिफायर में उनके शतक ने टीम आसानी से फाइनल में पहुंच गीय। उनके साथ साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन बल्लेबाी की है। उसे पास जोस बटलर, ग्लेन फिलिप्स जैसे बल्लेबाज मध्यक्रम को मजबूती देते हैं, जबकि राहुल तेवतिया मैच फिनिशर के तौर पर सफल रहे हैं। स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और राशिद खान टीम को अतिरिक्त मजबूती प्रदान करते हैं।

गुजरात की सबसे बड़ी ताकत उसकी गेंदबाजी मानी जा रही है। मोहम्मद सिराज,

कगिसो रबाडा और प्रसिद्ध कृष्णा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए परेशान खड़ी कर सकती है। वहीं राशिद खान अपनी फिरकी से मैच का रुख पलटने में सक्षम हैं। अहमदाबाद का मैदान गुजरात का घरेलू मैदान है और यहां टीम का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है, जिससे भी उसे हालातों का लाभ मिलेगा।

हालांकि आरसीबी की बल्लेबाजी अधिक अनुभवी और आक्रामक नजर आती है। विराट कोहली का अनुभव, फिल सॉल्ट की तेज शुरुआत और रजत पाटीदार की शानदार फॉर्म टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। दूसरी ओर गुजरात की उम्मीदें शुभमन गिल, जोस बटलर, राशिद खान और मोहम्मद सिराज पर टिकी होंगी।

विशेषज्ञों के अनुसार मुकाबले का परिणाम पावरप्ले और डेथ ओवरों के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगा। यदि आरसीबी के शीर्ष क्रम ने मजबूत शुरुआत दी तो टीम बड़ा स्कोर खड़ा कर सकती है, जबकि गुजरात के गेंदबाज शुरुआती झटके देकर मैच पर पकड़ बनाने की कोशिश करेंगे। वहीं अगर शुभमन गिल और साई सुदर्शन की जोड़ी लंबी साझेदारी करने में सफल रही तो गुजरात टाइटंस का पलड़ा भारी हो सकता है। कुल मिलाकर दोनों ही टीमें काफी संतुलित दिखाई दे रहा है ऐसे में प्रशंसकों को एक यादगार फाइनल देखने को मिलेगा । आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बची 8 मुकाबले हुए हैं। जिसमें दोनो ने ही 4-4 मेच खेले हैं।

टीम इस प्रकार है

आरसीबी: रजत पाटीदार (कप्तान), फिल सॉल्ट (विकेटकीपर), विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - स्वप्निल सिंह, वेंकटेश अय्यर, रसिख सलाम डार, रिचर्ड ग्लीसन

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा

इम्पैक्ट प्लेयर विकल्प - साई किशोर, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, अरशद खान।

विनेश फोगाट का एशियन गेम्स 2026 में खेलने का सपना टूटा

-ट्रायल्स के सेमीफाइनल में थमा सफर, मीनाक्षी से हारीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट का एशियाई खेल 2026 में जगह बनाने का सपना चयन ट्रायल्स के सेमीफाइनल में टूट गया। शनिवार को आयोजित ट्रायल्स में 53 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्हें युवा पहलवान मीनाक्षी गोयत ने 6-4 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा दिया। इस हार के साथ 31 वर्षीय विनेश एशियाई खेलों की भारतीय टीम में जगह बनाने से चूक गईं। हालांकि, मुकाबले के बाद उन्होंने हार मानने से इनकार करते हुए वापसी का संकल्प जताया।

ट्रायल्स के दौरान विनेश ने शुरुआती मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले ज्योति को 7-1 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में निशु के खिलाफ मुकाबला काफी रोमांचक और विवादों से भरा रहा। मुकाबले की शुरुआत में निशु ने 5-0 की बढ़त बना ली थी और एक समय विनेश लगभग फॉल होने की स्थिति में पहुंच गई थीं। हालांकि, अनुभवी विनेश ने शानदार वापसी की। तकनीकी फैसलों, वीडियो स्क्रीन की तकनीकी दिक्कतों और कोचों की आपत्तियों के बीच मुकाबला बेहद तनावपूर्ण हो गया। स्कोर 6-6 की बराबरी पर पहुंचा तो निशु के एक टेकडाउन प्रयास को अंक नहीं दिए गए। इसके बाद निशु के कोच ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन चुनौती असफल रही और विनेश मुकाबला जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं। हार के बाद भावुक निशु ने रेफरी और विनेश से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया था।

आईपीएल 2026 : वैभव ऑरेंज कैप , रबाडा पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मोहाली ।आईपीएल के 19 वें सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को होने वाला है ।इसमें गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला गुजरात टाइटंस (जीटी) से होगा ।अब तक इस सत्र में सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी सबसे आगे हैं । वैभव की टीम रॉयल्स भले ही टर्नामेंट से बाहर हो गयी है पर दूसरे क्वालीफार में बनाये 96 रनों के साथ ही उनक अब तक इस सत्र में सबसे अधिक 776 रन हो गये हैं । वैभव के पीछे ऑरेंज कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी । आरआर के खिलाफ 53 गेंदों में 104 रनों की लाजवाब शतकीय पारी खेलकर उन्होंने अपनी टीम को जीत दिलाई और अब 15 मुकाबलों में 722 रनों के साथ दूसरे पायदान पर हैं । गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन भी कम नहीं रहे, जिन्होंने 16 मुकाबलों में 710 रन बनाकर तीसरे स्थान पर अपना कब्जा जमाया है । सनराइजर्स हैदराबाद के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 15 मुकाबलों में 624 रनों के साथ चौथे और मुंबई इंडियंस के ईशान किशन 602 रनों के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं, जो इस सीजन की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है । दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा नंबर एक पर पहुंच गये हैं । रबाडा ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार को दूसरे नंबर पर धकेल दिया । रबाडा अब कुल 28 विकेटों के साथ शीर्ष पर काबिज हैं । भुवनेश्वर कुमार 15 मुकाबलों में 26 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स के घातक तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर 25 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर हैं । चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज 14 मुकाबलों में 21 विकेट के साथ चौथे और सनराइजर्स हैदराबाद के युवा गेंदबाज ईशान मलिंगा 20 विकेट लेकर पांचवें पायदान पर हैं ।

हार्दिक पांड्या सहित कई बड़े खिलाड़ियों को बाहर कर सकती है मुम्बई इंडियंस : रिपोर्ट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पांड्या की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। टीम की हार के बाद उनका अपना प्रदर्शन भी उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में एक रिपोर्ट के अनुसार आने वाले सत्र में मुम्बई टीम उन्हें शायद ही रिटेन करे। इस सत्र में मुम्बई केवल चार मैच जीतकर 8 अंक हासिल करने में सफल रही है। इससे टीम अंक तालिका में नौवें स्थान पर रहे। पिछले सत्र में भी उनकी कप्तानी में टीम असफल रही थी। ऐसे में मुंबई इंडियंस अब अगले सत्र के लिए बड़े बदलाव कर सकती है। इसके तहत कप्तान सहित कई स्टार खिलाड़ियों को बाहर किया जा सकता है। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई इंडियंस के करीबी सूत्रों का भी मानना है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है। टीम में उनकी केवल एक खिलाड़ी के रूप में भूमिका पर भी चर्चा हो सकती है। टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ इस असफलता के बाद गहन विचार विमर्श के दौर से गुजर रहा है। मुंबई इंडियंस के आखिरी लीग मैच के बाद हुई कोचिंग स्टाफ की बैठक में भी सीनियर खिलाड़ियों से साफ कह दिया गया कि उन्हें मैदान पर दिए गए कोचिंग निर्देशों और डेटा-आधारित रणनीतियों का पालन करना चाहिए। कई बार खिलाड़ियों ने कोचिंग स्टाफ के सुझावों को नजरअंदाज किया, जिससे टीम को नुकसान हुआ है। टीम की परेशानी केवल कप्तानी तक सीमित नहीं है। टीम इस आईपीएल में पावरप्ले का भी टीम सही इस्तेमाल नहीं कर पाई, जैसा कि प्लेऑफ में पहुंची कई सफल टीमों ने किया।

शुभमन आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

मोहाली (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कपतान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्य के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मुकाबले में शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाने के दौरान एक अहम रिकार्ड भी अपने नाम किया है। शुभमन ने अपनी पारी में 47 गेंदों पर ही 100 रन बना दिये। इससे वह आईपीएल प्लेऑफ में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं।

इस मैच में 215 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल ने यह मैच विजेता पारी खेली, जिसने गुजरात फाइनल में पहुंची।

इस मुकाबले में शुभमन ने 53 गेंदों में 104 रन बनाये। इसमें 15 शानदार चौके और तीन छक्के शामिल थे। यह आईपीएल में शुभमन का कुल पांचवां शतक है, जबकि कप्तान के तौर पर इस लीग में यह उनका दूसरा शतक है। इस दौरान उनकी और साई सुदर्शन के बीच हुई पहले विकेट के लिए 160 रन की साझेदारी हुई।

इस शतक के साथ ही शुभमन आईपीएल प्लेऑफ के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गये। इस प्राकर उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जो उन्होंने

2023 सीजन में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 129 रन की पारी के दौरान 49 गेंदों में बनाया था। शुभमन से पहले, रिद्धिमान साहा ने साल 2014 और रजत पाटीदार ने साल 2022 में प्लेऑफ में 49 गेंदों में शतक लगाये थे पर शुभमन ने इस शतक से सबको पीछे छोड़ दिया।

शुभमन अब प्लेऑफ मुकाबलों में दो शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं। उनका पहला प्लेऑफ शतक भी 2023 के दूसरे क्वालिफायर में ही आया था। यह गुजरात टाइटंस के लिए भी सबसे तेज आईपीएल शतक है, जिसमें उन्होंने अपने ही 2023 के रिकॉर्ड (49 गेंदों में शतक) को बेहतर किया।

एक कप्तान के तौर पर आईपीएल प्लेऑफ में शतक लगाने वाले शुभमन गिल पहले खिलाड़ी हैं। उनकी और साई सुदर्शन की पहले विकेट के लिए 160 रन की रिकॉर्ड-तोड़ साझेदारी ने गुजरात की जीत की राह बनी। इस जोड़ी ने 2011 के फाइनल में माइकल हसी और मुरली विजय द्वारा बनाए गए 159 रन की साझेदारी के रिकॉर्ड को ध्वस्त किया। इसके अलावा, यह टी20 क्रिकेट में दोनों के बीच 11वीं शतकीय साझेदारी थी, जो क्रिस गेल और विराट कोहली के 10 शतकीय साझेदारियों के रिकॉर्ड से आगे निकल गई।

वैभव सूर्यवंशी के कायल हुए लेंगर

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से छाये हुए वैभव सूर्यवंशी के मुरीद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लेंगर भी हैं । लैंगर ने कहा है कि वह वैभव से प्रभावित हैं । साथ ही कहा कि उनके साथ एक सेल्फी चाहते हैं । जिसे उन्होंने अपनी जिंदगी का सिर्फ दूसरा ऐसा अवसर बताया है । लेंगर ने एक पोस्ट के जरिए इसका खुलासा किया है । लेंगर ने बताया कि राजस्तथान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के बीच हुए एक मैच के बाद उन्होंने वैभव से सेल्फी खिंचाने को भी कहा था । लेंगर का मानना है कि आने वाले समय में वैभव क्रिकेट जगत पर छाया रहेगा। इस पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने इससे पहले केवल एक बार किसी खिलाड़ी से सेल्फी खिंचवाने को कहा था । दो साल पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल लीग के दिग्गज स्टीफन माइकल से सेल्फी खिंचाने को कहा था । लेंगर ने लिखा, पिछले हफ्ते मैंने कुछ ऐसा किया, जो अपनी जिंदगी में सिर्फ दूसरी बार ही किया है । मैंने किसी अन्य खिलाड़ी से सेल्फी देने को कहा । वहीं दूसरी बार यही बात 15 साल के वैभव से कही । वैभव सूर्यवंशी ने मेरी टीम लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ कई चौके और छक्के लगाये । उसने इस आईपीएल सीजन में 65 छक्के लगाये हैं - ये किसी भी टी20 टूर्नामेंट में किसी बल्लेबाज के दूसरे सबसे ज्यादा छक्के हैं । वह पुरुष टी20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाला खिलाड़ी है । वैभव सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में 12 छक्के जड़कर क्रिस गेल का आईपीएल 2012 में बनाया 59 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा है । वैभव ने 29 गेंदों में तूफानी 97 रन बनाए थे और क्रिस गेल के आईपीएल इतिहास के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को तोड़ने से वह एक गेंद से रह गये । वैभव की इस असाधारण प्रतिभा पर लेंगर ने आगे लिखा, इस खेल में 35 साल तक रहने के बाद, मैं ये विश्वास ही नहीं कर सकता कि ये लड़का ऐसे खेलता है । मैंने उसके जैसा इससे पहले कुछ भी नहीं देखा है ।

वैभव को रोकने खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल गलत: इरफान पठान

-सुरक्षा को लेकर चिंतित नजर आये

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान इस बात से बेहद चिंतित है कि आईपीएल के 19 वें सत्र में असाधारण बल्लेबाजी कर सभी को प्रभावित करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ खतरनाक बाउंसर गेंदों का इस्तेमाल हुआ है। इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से वैभव ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 700 से अधिक रन बनाये। उन्होंने जसप्रीत बुमराह, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क जैसे अनुभवी गेंदबाजों की गेंदों पर भी जमकर चौके छक्के लगाये। पठान के अनुसार जिस प्रकार गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन बाउंसर फेंकी गयी वह गलत नीति थी।

वैभव के खिलाफ गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की इस रणनीति को देखकर पठान घबरा गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए लिखा, '15 साल के वैभव को रोकने के लिए बॉडीलाइन गेंदबाजी मुझे ठीक नहीं लगती। मुझे पता है कि वह बड़े खिलाड़ियों के खिलाफ खेल रहा है पर मेरे अंदर का पिता इससे सहमत नहीं है।' पठान ने ऐसी बाउंसरों के संभावित घातक परिणामों के बारे में भी सभी को चेताया है।

पठान ने कहा, 'सूर्यवंशी के खिलाफ योजना के तहत ही ऐसा किया गया। एक पिता के तौर पर, जब मैंने उसे देखा, तो गेंद उसके कान पर लगी। बाउंसर की बौछार थी। हमने खिलाड़ियों को बाउंसर के खिलाफ जान गंवाते देखा है। बेशक, योजना अच्छी होगी पर मुझे डर लग रहा था। मैं इससे सहमत नहीं हूं।' उन्होंने अपनी बात को स्पष्ट करते हुए आगे कहा, 'मुझे पता है कि आप पेशेवर क्रिकेट खेल रहे हैं। मैं यह समझता हूं, लेकिन मैं एक बेटे का पिता भी हूं। मैं ये देखकर बहुत मुश्किल स्थिति में था।' पठान ने वैभव की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंता ज़ाहिर करते हुए उम्मीद जताई कि वह अपने हेलमेट में अतिरिक्त प्रोटेक्शन का उपयोग करेगा, क्योंकि लोग उसे रोकने के लिए बाउंसर फेंकते रहेंगे। उन्होंने 100 रन बनाने से चूकने पर निराशा भी व्यक्त की, लेकिन उनकी मुख्य चिंता वैभव की सुरक्षा थी। उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी यह राय पेशेवर क्रिकेट से थोड़ी अलग हो सकती है, लेकिन एक युवा खिलाड़ी के प्रति ऐसी बॉडीलाइन रणनीति उन्हें बिलकुल भी पसंद नहीं आई।

सुदर्शन लगातार दूसरी बार हिट विकेट हुए

न्यू चंडीगढ । आईपीएल के 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन लगातार दूसर बार हिट विकेट हुए जो एक अनोखा संयोग है । ये पहली बार है जब कोई क्रिकेटर इस प्रकार हिट विकेट हुआ है । सुदर्शन दोनो ही क्वालीफायर में हिट विकेट हुए । क्वालीफायर 2 में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सुदर्शन से अर्धशतक लगाया पर हिट-विकेट होने के कारण वह आउट हुए । इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेले गए क्वालीफायर 1 में भी सुदर्शन हिट विकेट हुए थे । शुक्रवार को पीसीए स्टेडियम में हुए क्वालीफायर 2 का मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जहाँ गुजरात टाइटंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ । पहले बल्लेबाजी करते हुए, राजस्थान रॉयल्स ने तय समय 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 214 रन बनाये । इसके बाद 215 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस को कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी शुरुआत दिलाई । दोनों ने पहले ओवर से ही राजस्थान के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू कर दिया, मैदान के हर कोने में बाउंड्री बटोरे और रन गति को 10 के पार बनाए रखा । गुजरात ने पावरप्ले का पूरा फायदा उठाया और दसवें ओवर से पहले ही 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया । दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से अपने अर्धशतक भी पूरे कर लिए । गिल और सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 167 रनों की रिकॉर्डतोड़ साझेदारी हो चुकी थी और गुजरात जीत की तरफ मजबूती से बढ़ रहा था । तभी सुदर्शन एक बार फिर हिट-विकेट हो गए । सुदर्शन के 58 रन पर आउट होने के बाद भी कप्तान शुभमन गिल ने अपना आक्रामक रुख जारी रखा । गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए मात्र 53 गेंदों पर 104 रनों की शतकीय पारी खेली । शुभमन के शानदार शतक की बदौलत गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली ।

फ्रेंच ओपन 2026 : 19 साल के फोंसेका ने जोकोविच हो हराकर किया सबसे बड़ा उलटफेर

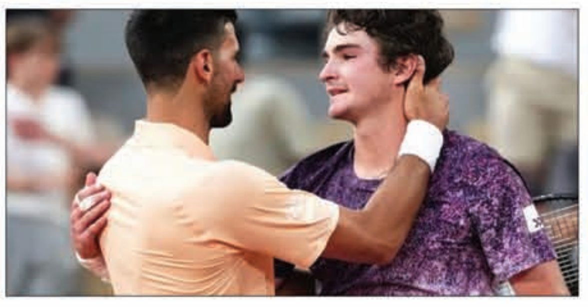

पेरिस । यहां रोला गैरा में खेले जा रहे फ्रैंच ओपन टेनिस में सबसे बड़ा उलटफेर हुआ है । सर्बिया के टेनिस स्टार और विश्वकप के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को ब्राजील के 19 साल के फोंसेका ने हराकर सनसनी फैला दी । तीन बार के विजेता और रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच को रोमांचक मुकाबले में फोंसेका ने दो सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 4-6, 4-6, 6-3, 7-5, 7-5 से हराया । इस मैच की शुरुआत में जोकोविच हावी रहे । उन्होंने पहले दो सेट में अपना दबदबा बनाए रखा और फोंसेका को कोई अवसर नहीं दिया । पर इस युवा खिलाड़ी ने तीसरे सेट से मुकाबले का रुख पलट दिया । उन्होंने अपनी रणनीति बदली, आक्रामक खेल दिखाया और अगले तीनों सेट जीतकर सभी को हैरान कर दिया । यह क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में दूसरा सबसे बड़ा उलटफेर है, जोकोविच से पहले इटली के जैनिक सिनर भी टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे । चौथे सेट में फोंसेका हार से सिर्फ पांच पॉइंट दूर थे । जोकोविच 3-4 पर सर्व करते हुए 15/40 की बढ़त पर थे पर फोंसेका ने उन दो ब्रेक अंक बचाकर वापसी करते हुए सेट जीत लिया और मैच को निर्णायक पांचवें सेट तक खींच ले गए । इसके बाद जोकोविच थके हुए दिखे । निर्णायक सेट में भी उन्होंने 3-1 की शुरुआती बढ़त बना ली पर ब्राजीली खिलाड़ी ने फिर से अपनी वापसी की आदत को जारी रखा और आखिरी आठ में से छह गेम अपने नाम करते हुए एक यादगार जीत दर्ज की ।

आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी भारतीय टीम

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष और महिला टीमें अगले साल होने वाले आईआईएचएफ आइस हॉकी विश्व चैंपियनशिप की तैयारियों में लगी है । भारतीय टीमों को इसमें डिविजन 4 में रखा गया है । आइस हॉकी वर्ल्ड चैंपियनशिप अगले साल 14 से 30 मई के बीच जर्मनी के डसेलडोर्फ और मैनहेम में होगी । इसके लिए पुरुष, महिला टीमें राष्ट्रीय शिविरों, खिलाड़ियों के मूल्यांकन, कोचिंग कार्यक्रमों और प्रतिस्पर्धी अनुभव को सहारा लेंगी। भारत साल 1989 से ही अंतरराष्ट्रय आइस हॉकी फेडरेशन का पूर्ण सदस्य रहा है । भले ही भारतीय टीमों का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय टूर्नामेंट्स में कुछ खास नहीं रहा हो पर वह लगातार बेहतर करती आई है । देहरादून स्थित हिमाद्री आइस रिंक (भारत का एकमात्र ओलंपिक-आकार का इनडोर आइस रिंक है) इसमें आयोजित 2025 नेशनल आइस हॉकी चैंपियनशिप ने पुरुष, महिला और युवा श्रेणियों की टीमों को बेहतर अनुभव हासिल करने का अवसर दिया है । यूएई में आयोजित आईआईएचएफ महिला एशिया कप 2025 में भारतीय टीम को कांस्य पदक मिला था । इससे भारतीय टीम का मनोबल बढ़ा था । अब विश्व वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 में महिला और पुरुष दोनो ही वर्ग में अंडर-20 टीमों को भी शामिल करना एक और अहम सफलता है । इससे युवा खिलाड़ियों को बेहतर अनुभव मिलेगा । आईआईएचएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2027 सिर्फ एक और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं है । आईआईएचएफ प्रतियोगिता प्रणाली के तहत देश विश्व आइस हॉकी में अपनी स्थिति बनाने के लिए अलग-अलग डिवीजन में मुकाबला करते हैं ।

रॉयल्स के बाहर होने से वैभव के लिए दुखी हुए अश्विन

-कप्तान और सीनियर खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन पर भड़के

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटंस से हार के साथ ही राजस्थान रॉयल्स की टीम बाहर हो गयी। रॉयल्स के बाहर होने से पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन निराश हैं। उनका कहना है कि इस सत्र में वैभव सूर्यवंशी ने असाधारण प्रदर्शन कर टीम को खिताब मुकाबले का दावेदार बना दिया था। पर रियान पराग की गलती से उसके हाथों से ये अवसर निकल गया। अश्विन ने कहा कि वह वैभव के लिए दुखी हैं क्योंकि उसकी मेहनत बेकार हो गयी। वहीं अश्विन ने टीम के सीनियर खिलाड़ियों और कप्तान रियान पराग की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि इन लोगों की गलती से टीम बाहर हुई है।

वैभव ने अपने बल पर रॉयल्स को यहां तक पहुंचाया। नॉकआउट चरण में उनकी बल्लेबाजी बेहद प्रभावशाली रही। एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 97 रनों की धुआंधार पारी खेली, जबकि क्वालीफायर-2 में गुजरात टाइटन्स के सामने भी उन्होंने 96 रन बनाए। पूरे टूर्नामेंट में वैभव ने लगभग 800 रन बनाकर अपने को साबित किया पर अन्य बल्लेबाजों ने उनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।

अश्विन ने कहा, मैं मायूस हूं, क्योंकि उन्होंने आईपीएल 2026 में बहुत शानदार खेल दिखाया। लेकिन मेरे लिए सबसे खास बात वह पारी थी जो उन्होंने क्वालीफायर-2 में खेली। बेशक, किस्मत ने उनका थोड़ा साथ दिया, लेकिन पिच गेंदबाजों की मदद कर रही थी। उन्होंने मोहम्मद सिराज, कागिसो रबाडा और जेसन होल्डर जैसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना किया। उन्हें थोड़ी किस्मत का साथ मिला और एक कैच भी गिरा पर जिस प्रकार उन्होंने बल्लेबाजी की उसकी जितनी सराहना की जाये कम है।

अश्विन ने रॉयल्स के अन्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा, मैं जानता हूं कि गुजरात के कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अच्छी बल्लेबाजी की थी पर रॉयल्स के अन्य बल्लेबाजों ने वैभव का साथ नहीं दिया। क्वालीफायर-2 में हार के बाद वैभव काफी भावुक हो गए थे। अश्विन ने कहा कि एक 15 साल का लड़का हमेशा टीम को मैच जिताने के बारे में सोचता है। उन्होंने राजस्थान के सीनियर बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल और रियान पराग के रन नहीं बनाने पर नाराजगी जताई, जिससे टीम शुरुआत में ही मुकाबले से बाहर हो गई।

वैभव के अलावा, अश्विन ने रियान पराग की कप्तानी पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने मैच के दौरान लिए गए कुछ फैसलों पर पर सवाल उठाते हुए कहा, दासुन शनाका ने नौ गेंदों में तीन रन बनाए, जिनमें से दो गेंदें उन्होंने छोड़ दीं। जोफ्रा आर्चर बल्लेबाजी के लिए डोनोवन फरेरा से पहले आ गए! किसी ने भी वैभव का साथ नहीं दिया, फिर भी वैभव अकेले टीम को जीत दिलाने का प्रयास करते रहे। बीच दीवार बनकर खड़े रहे। ये रियान पराग की कप्तानी के स्तर को दर्शाता है। अश्विन के इन बयानों से स्पष्ट है कि उन्हें युवा वैभव के प्रदर्शन पर गर्व है, लेकिन टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और नेतृत्व की कमी ने उन्हें बेहद निराश किया है।

बकरीद पर कुर्बानी के वक्त सूर्या की हत्या का आरोपित असद एनकाउंटर में ढेर, कांस्टेबल जख्मी

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में खोड़ा कॉलोनी इलाके में बकरीद के दिन 11वीं क्लास के छात्र सूर्या चौहान की धारदार हथियार से हमला कर हुई हत्या के मामले मे फरार मुख्य आरोपी असद को पुलिस ने आज सुबह एनकाउंटर में ढेर कर दिया। गाजियाबाद पुलिस द्वारा असद पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। इस एनकाउंटर में एक पुलिस कॉन्स्टेबल भी गोली लगने से घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने बताया कि 28 मई को असद और और उसके साथियों ने सूर्या चौहान (17 वर्ष) की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। मृतक के परिवार द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर पुलिस ने खोड़ा थाने में हत्या सहित संबंधित धाराओं में 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस मामले में शनिवार को 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि मुख्य आरोपी असद फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। आज सुबह को पुलिस टीम को सूचना मिली कि असद खोड़ा पुलिस थाना क्षेत्र में अपने कुछ दोस्तों से मिलने जा रहा है और उनसे कुछ पैसे लेकर भागने की योजना बना रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस जगह-जगह बैरियर लगाकर पूरे इलाके में सघन तलाश शुरू कर दी। इसी बीच असद और उसका एक दोस्त बाइक पर आते हुए दिखाई दिए। पुलिसकर्मियों ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर गोली चला दी। इसके बाद पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुए गोली चलाई। इसमें एक गोली असद को लग गई। असद को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

डीसीपी ने बताया कि इस गोलीबारी के दौरान एक पुलिस कॉन्स्टेबल भी घायल हो गया और उसे भी अस्पताल ले जाया गया है। असद की बाइक बरामद कर ली गई है और जिस पिस्तौल से उसने गोली चलाई थी, वह भी बरामद कर ली गई है।

पुलिस पूरी घटना की गहन जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

सूर्या की मां सरोज ने कहा कि मैं असद की फोटो देखना चाहती हूं। फोटो देखने के बाद ही मुझे तसल्ली मिलेगी। बाकियों का एनकाउंटर भी इसी तरह होना चाहिए। सात लोगों ने मेरे बेटे के साथ ऐसा किया, सभी के घरों पर बुलडोजर चलना चाहिए।सूर्या चौहान के पड़ोसी अंकित ने कहा कि यह अच्छी बात है कि एनकाउंटर हो गया है, लेकिन अब आगे की मांगें भी पूरी होनी चाहिए और उन छह लोगों का भी एनकाउंटर होना चाहिए। हमारी मांग है कि सभी छह लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाया जाए, उनके घरों को ढहा दिया जाए और उनकी सारी संपत्ति जब्त कर ली जाए।

गौरतलब है कि 28 मई को खोड़ा कॉलोनी के नवनीत विहार कॉलोनी में रहने वाले सूर्य चौहान (17) को गम्भीर हालत में एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन नाजुक हालत के कारण उसे नोएडा के एक निजी अस्पताल शिफ्ट कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को उसकी मौत हो गई।

तंबाकू निषेध दिवस पर ब्रह्मकुमारीज ने दिलाया संकल्प, नशा छोड़ें-स्वस्थ जीवन से जुड़ें

मीरजापुर।
विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रविवार को शुक्लहा स्थित ब्रह्मकुमारीज मीरजापुर के प्रभु उपहार भवन में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवा केंद्र से जुड़े सैकड़ों भाई-बहनों एवं माताओं ने भाग लेते हुए तंबाकू एवं अन्य सभी प्रकार के नशों से दूर रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सेवा केंद्र प्रभारी बीके बिंदु दीदी ने कहा कि तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि नशे की लत के कारण हर वर्ष लाखों लोग गंभीर बीमारियों का शिकार होकर असमय मृत्यु का सामना करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं नशामुक्त रहकर दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करना चाहिए।

उन्होंने उपस्थित लोगों को व्यसनमुक्त जीवन अपनाने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई। बीके बिंदु दीदी ने कहा कि स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली ही सुखी जीवन का आधार है तथा नशे से दूरी बनाकर ही समाज को बेहतर दिशा दी जा सकती है।

इस दौरान उपस्थित सभी भाई-बहनों एवं माताओं ने संकल्प लिया कि वे किसी भी प्रकार का व्यसन नहीं करेंगे और अपने परिवार व समाज को भी नशामुक्त बनाने में सहयोग करेंगे।

कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को तंबाकू एवं अन्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, सुखी एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

उप्र में कई विश्वविद्यालयों के कुलसचिव और परीक्षा नियंत्रक बदले

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश में लगातार प्रशासिनक तबादले हो रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार रात को विश्वविद्यालयों के छह कुल सचिव और परीक्षा नियंत्रक, तीन उप कुल सचिवों और पांच सहायक कुल सचिव के स्थानांतरण हुए हैं। इस संबंध सयुंक्त सचिव शकील अहमद सिद्दीकी की ओर से पत्र जारी किए गए हैं।

कुलसचिव/ परीक्षा नियंत्रकों की तैनाती में मीरजापुर के मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक महेंद्र कुमार को कुल सचिव, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली, महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के कुलसचिव हरीश चंद्र को मां विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर का परीक्षा नियंत्रक बनाया है। मुरादाबाद के गुरूजम्भेश्वर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक अमृत लाल को आजमगढ़ के महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय के कुल सचिव, जौनपुर के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय कुल सचिव केशलाल को भदोही के काशी नरेश विश्वविद्यालय का परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किया है। इसके अलावा महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के परीक्षा नियंत्रक संजीव कुमार सिंह को मुरादाबाद के गुरूजम्भेश्वर विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक और मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के कुल सचिव अनिल कुमार यादव को परीक्षा नियंत्रक महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड उप कुल सचिवों में छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर नगर में तैनात प्रमोद कुमार मिश्रा को डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा, कैलाश बिंद को डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा से छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर नगर और सुनील कुमार सरोज को मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय मीरजापुर संप्रति सम्बद्ध वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर से गुरूजम्भेश्वर विश्वविद्यालय मुरादाबाद में नियुक्ति मिली है।

खेलों को हर व्यक्ति तक पहुंचाना एथ्जी का लक्ष्य : अर्जुन गुप्ता

कानपुर।
शहर की छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और उन्हें प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। एथ्जी के माध्यम से विभिन्न खेलों को मंच प्रदान किया जा रहा है, ताकि युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल सके। यह बातें एथ्जी के संस्थापक अर्जुन गुप्ता ने पिकलबॉल प्रतियोगिता के दौरान कहीं। खेलों को अधिक सुलभ बनाने और युवाओं को खेल गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से खेल समुदाय मंच एथ्जी द्वारा पिकलबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अर्जुन गुप्ता ने बताया कि उनकी संस्था विभिन्न प्रकार के खेलों को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। इसी क्रम में पिकलबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई है।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर मद्यनिषेध विभाग ने निकाली जन जागरूकता रैली

लखनऊ।
"नशा मुक्त भारत अभियान" के तहत "विश्व तम्बाकू निषेध दिवस" के अवसर पर रविवार को मद्य निषेध विभाग द्वारा तम्बाकू एवं गुटखा जनित नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाली बीमारियों एवं दुष्परिणामों के प्रति जन जागरुकता हेतु एक रैली निकाली गयी।

यह जागरूकता रैली रविवार की सुबह मद्यनिषेध एवं समाजोत्थान अधिकारी, 27 अशोक मार्ग, लखनऊ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से जीपीओ पार्क स्थित महात्मा गांधी प्रतिमा तक आयोजित की गई। इस रैली का उद्देश्य लोगों में सभ्य और स्वस्थ्य जीवन शैली को बढ़ावा देना, उनके जीवन स्तर में सुधार लाना और तम्बाकू व गुटखा के हानिकारक प्रभावों और इससे होने वाली बीमारियों के खतरे के बारे मे संदेश देना था। इस तम्बाकू निषेध रैली में राज्य मद्यनिषेध विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक स्वैच्छिक संस्थाओं के कार्यकर्ता सहित लगभग 300 लोग उपस्थित रहे।

मासूम की जमीन पर पटककर हत्या, हत्यारोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, गोली लगी

फिरोजाबाद।
थाना शिकोहाबाद क्षेत्र अन्तर्गत शनिवार को विवाहिता से शादी करने की जिद में रिश्ते के देवर ने विवाहिता के मासूम पुत्र की जमीन पर पटककर हत्या कर दी। पुलिस ने हत्यारोपी को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से घायल अभियुक्त को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

थाना अरांव क्षेत्र अन्तर्गत रहने वाली रति नामक महिला की ससुराल बदायूं जनपद में है। महिला का अपने पति से विवाद चल रहा है इस कारण महिला कुछ समय से अपने मायके में रह रही है। शनिवार को रति अपने डेढ़ वर्षीय बेटे के साथ थाना शिकोहाबाद क्षेत्र अन्तर्गत अपने एक रिश्तेदार के यहां आई थी। आरोप है कि तभी महिला के रिश्ते का देवर विराज उर्फ जितेंद्र वहां पहुंच गया और वह बच्चे को टॉफी दिलाने के बहाने अपने साथ ले गया।

रंग ला रही युवाओं की मेहनत, करवन नदी की जांच करने पहुंची टीम

हाथरस।
सादाबाद कस्बे में करवन नदी को पुनर्जीवित करने का स्थानीय युवाओं का अभियान अब गति पकड़ रहा है। पिछले लगभग एक पखवाड़े से युवाओं की एक टीम नदी की सफाई, सौंदर्यीकरण और संरक्षण के लिए लगातार रहा है, और वरिष्ठ बसपा नेता डॉ. अविन शर्मा भी इसमें सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

करंट लगने से प्रयागराज में दो मजदूरों की मौत

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित कर्नलगंज थाना क्षेत्र के न्यू मम्फोर्डगंज स्थित लालापट्टी मोहल्ले में शनिवार को दो मजदूरों की करंट लगने से मौत हो गई। मकान की दूसरी मंजिल पर डेकोरेशन कार्य के दौरान एल्यूमिनियम का पाइप 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया, जिससे दोनों मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि कर्नलगंज थाना क्षेत्र के लालापट्टी मोहल्ले में निमार्णाधीन मकान की दूसरी मंजिल पर डेकोरेशन और कारपेंट्री का कार्य चल रहा था।

इसी दौरान मजदूर एल्यूमिनियम का लंबा पाइप लेकर ऊपर जा रहे थे, तभी पाइप पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया। हादसे में कर्नलगंज के बड़ा बघाड़ा निवासी रमेश सोनकर (55) समेत दो लोगों की जान चली गई। हादसे में मृत दूसरे मजदूर की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पाइप के बिजली के तार से संपर्क में आते ही तेज धमाके जैसी आवाज हुई और दोनों मजदूर करंट की चपेट में आकर नीचे गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल बिजली विभाग को सूचना देकर विद्युत आपूर्ति बंद कराई और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर कर्नलगंज पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण हाईटेंशन लाइन के संपर्क में एल्यूमिनियम पाइप का आना बताया गया है। ल्य ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। दूसरे मृतक की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही रमेश सोनकर के परिजन अस्पताल पहुंच गए, जिसके बाद परिवार में कोहराम मच गया।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी